इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

" यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति" ।।

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

दावा

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दी धमकी, बोले- चाहूं तो सबको खत्म कर दूं.. ईरान ने भी किया तीखा पलटवार

वासिंगटन। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम चल रहा है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को खुली धमकी दी है। ट्रंप ने कहा कि ईरान में इतनी बड़ी संख्या में लोग जुट रहे हैं। हम चाहें तो एक बार में ही सबको खत्म कर सकते हैं, लेकिन फिर भी ऐसा नहीं कर रहे, क्योंकि यदि सभी को मार देंगे तो फिर वार्ता के लिए कौन बचेगा? ट्रंप की इस धमकी पर ईरान ने भी तीखा पलटवार किया है। ईरान ने कहा है कि न उनकी कोई सभ्यता है और न सम्मान है। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम चल रहा है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को खुली धमकी दी है। ट्रंप ने कहा कि ईरान में इतनी बड़ी संख्या में लोग जुट रहे हैं। हम चाहें तो एक बार में ही सबको खत्म कर सकते हैं, लेकिन फिर भी ऐसा नहीं कर रहे, क्योंकि यदि सभी को मार देंगे तो फिर वार्ता के लिए कौन बचेगा?

डोनाल्ड ट्रंप की धमकी पर बोला ईरान

ट्रंप की इस धमकी पर ईरान ने भी तीखा पलटवार किया है। ईरान ने कहा है कि न उनकी कोई सभ्यता है और न सम्मान है। ईरान ने कहा कि ये उनके असभ्य होने को दिखाता है। ईरान ने ये भी कहा कि ट्रंप इस बात को समझ जाएं कि लोगों को मारा जा सकता है, लेकिन आदर्शों को खत्म नहीं किया जा सकता है। आपने अयातुल्ला खामेनेई को मार डाला लेकिन असल में आपने इत्र की एक ऐसी शीशी तोड़ी, जिसकी खुशबू आज हर जगह फैल गई है। खामेनेई के अंतिम संस्कार में भी ईरान ने ऐसी तारीखों को चुना है, जिनका बड़ा महत्व है। 4 जुलाई को अमेरिका की आजादी की 250वीं सालगिरह थी। उसी दिन खामेनेई के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसके अलावा 9 जुलाई को आखिरी दिन है, जिसका इमाम हुसैन से सीधा संबंध है।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया यह दावा

डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा भी किया कि ईरान के नेता हमारे आगे गिड़गिड़ा रहे हैं कि एक डील कर ली जाए। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने तय किया है कि एक सप्ताह तक गोली नहीं चलेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि ईरान के लोग खामेनेई को अंतिम विदाई देने में व्यस्त हैं। इस शोक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भारत समेत दुनियाभर के प्रतिनिधि ईरान पहुंचे हुए हैं।

ट्रंप ने जताई लाखों लोगों की भीड़ पर हैरानी

उन्होंने खामेनेई कि विदाई में जुटी लाखों की भीड़ पर भी हैरानी जताई। ट्रंप ने कहा कि मुझे तो लगता था कि ईरान के लोग उनसे नफरत करते होंगे। डोनाल्ड ट्रंप लगातार धमकियां देते रहते हैं, वहीं ईरान भी अमेरिका के आगे झुकता नहीं दिख रहा है।

पंडवानी गायिका तीजन बाई पंचतत्व में विलीन : राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार; पीएम मोदी ने जताया शोक

दुर्ग (दावा)। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने वाली अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त पंडवानी गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित तीजन बाई का रविवार 3.15 बजे रायपुर स्थित एम्स अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थीं और अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। उनके निधन की खबर मिलते ही कला, साहित्य और सांस्कृतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनके साथ पंडवानी की एक स्वर्णिम पीढ़ी का अध्याय भी मानो समाप्त हो गया। उनकी बहू रेणु देशमुख ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए बताया कि तीजन बाई की सांसें करीब 3.15 बजे थम गईं।

लंबे समय से चल रहा था इलाज

जानकारी के मुताबिक, तीजन बाई पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं। उनकी हालत को देखते हुए उन्हें रायपुर एम्स में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। डॉ. तीजन बाई के पार्थिव शरीर के गांव पहुंचते ही श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लग गया। परिजन, रिश्तेदार, शिष्य और स्थानीय लोग नम आंखों से अपनी प्रिय कलाकार को अंतिम विदाई देने पहुंचे। पूरे गांव में शोक की लहर है और हर कोई उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। जानकारी के अनुसार, करीब 11.30 बजे पार्थिव शरीर को अंतिम यात्रा के लिए मुक्ति धाम ले जाया जाएगा, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार होगा। भारतीय लोक कला में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। तीजन बाई ने अपनी सशक्त आवाज, प्रभावशाली अभिनय और अनोखी प्रस्तुति शैली से पंडवानी को देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक में नई पहचान दिलाई। महाभारत की कथाओं को सुनाने की प्रेरणा उन्हें नाना से मिली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीजन बाई के निधन पर शोक जताया। उन्होंने ङ्क पर लिखा, 'उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोक कला को अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में पहचान दिलाई। उनका जाना कला और (शेष पृष्ठ 6 पर...)

किसानों को नहीं होगी डीएपी की कमी, छत्तीसगढ़ को माह जुलाई में 46,500 टन डीएपी सप्लाई की आपूर्ति प्राप्त

रायपुर (दावा)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को समय पर कृषि आदान उपलब्ध कराने के अपने संकल्प पर लगातार प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है। खरीफ वर्ष 2026 के लिए 30 जून तक की स्थिति में 13 लाख 16 हजार 506 मीट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण किया जा चुका है। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसढ़ को माह जुलाई में 46,500 टन डीएपी सप्लाई की आपूर्ति प्राप्त हुई है, जो सामान्य से अधिक है। इससे अब किसानों के लिए पर्याप्त डीएपी उपलब्ध हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि अब तक भंडारित कुल रासायनिक खाद पिछले साल इसी अवधि में भंडारित रासायनिक खाद की तुलना में 1.08 लाख मीट्रिक टन अधिक है।

- *मुख्यमंत्री की विशेष पहल पर प्रदेश में पर्याप्त रासायनिक खाद उपलब्ध*
- *लगभग 7.28 लाख मीट्रिक टन का किसानों को हो चुका है वितरण, गत वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि*
- *प्रदेश में 5.88 लाख मीट्रिक टन से अधिक उर्वरकों का शेष भण्डार उपलब्ध*

वहीं प्रदेश में रासायनिक उर्वरकों के भण्डारण और वितरण की स्थिति यह दर्शाती है कि सरकार ने खेती के मौसम से पहले ही किसानों की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने की मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराना केवल कृषि उत्पादन बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि किसान परिवारों की समृद्धि और प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बता दें कि केन्द्र सरकार ने छत्तीसग? के लिए खरीफ वर्ष 2026 में 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध 30 जून की स्थिति में 13 लाख 16 हजार 506 मीट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण किया जा चुका है। इनमें यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी तथा एसएसपी जैसे सभी प्रमुख उर्वरक शामिल हैं। यह स्थिति इस बात का प्रमाण है कि किसानों को बुआई के दौरान खाद की उपलब्धता में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए सरकार ने पहले से व्यापक तैयारी की है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता टी20 वर्ल्ड कप खिताब, फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

लंदन। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में खेला गया। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बेथ मूनी और फीबी लिचफील्ड की शानदार पारी व शतकीय साझेदारी के दम पर मैच को 7 विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड का अपने घर में चैंपियन बनने का सपना टूट गया और उसे उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 150 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 151 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 17.1 ओवर में 3 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले साल 2010, 2012, 2014, 2018, 2020, 2023 में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था जबकि इंग्लैंड की टीम ने एक बार चैंपियन बनने की उपलब्धि साल 2009 में हासिल की थी।

ऑस्ट्रेलिया की पारी, बेथ मूनी की फिफ्टी

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम की ओपनर जॉर्जिया वोल 9 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठीं। फीबी लिचफील्ड ने 35 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली और आउट हो गईं, लेकिन उन्होंने दूसरे विकेट के लिए बेथ मूनी के साथ मिलकर 67 गेंदों पर 100 रन की साझेदारी की। बेथ मूनी ने अपना अर्धशतक 38 गेंदों पर पूरा किया और उन्होंने 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली। एलिस पेरी 13 रन बनाकर जबकि एश्ले गार्डनर 3 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड के लिए शार्लेट डीन, लॉरेन बेल और सोफी एक्लेस्टोन ने एक-एक विकेट लिए। महिला टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में खेला गया। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बेथ मूनी और फीबी लिचफील्ड की शानदार पारी व शतकीय साझेदारी के दम पर मैच को 7 विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड का अपने घर में चैंपियन बनने का सपना टूट गया (शेष पृष्ठ 6 पर...)

बांकीपुर से चुनाव लड़ेंगे प्रशांत किशोर, महागठबंधन के सवाल पर कहा भाजपा से भी समर्थन मांगा

पटना। जन सुराज ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रशांत किशोर को उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव सम्राट चौधरी सरकार के कामकाज पर जनता की राय तय करेगा। महागठबंधन के समर्थन के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह भाजपा से भी समर्थन मांग रहे हैं। उम्मीदवार घोषित होने के बाद प्रशांत किशोर महावीर मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना के बाद चुनाव प्रचार की औपचारिक शुरुआत की।

बांकीपुर विधानसभा सीट से जन सुराज के टिकट पर प्रशांत किशोर चुनाव लड़ेंगे। इस पर फैसला जन सुराज की कोर कमेटी की बैठक में लिया गया। प्रत्याशी घोषित होने के बाद प्रशांत किशोर ने कहा कि यह उपचुनाव तय करेगा कि प्रदेश में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में चल रही सरकार के कामकाज को जनता सही मानती है या उसमें बदलाव की जरूरत महसूस करती है। महागठबंधन के समर्थन से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा, मैंने तो भाजपा से भी समर्थन मांगा है।

सरकार नहीं, जनता जीतेगी

बांकीपुर विधानसभा सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। भाजपा के गढ़ मानी जाने वाली इस सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा कर प्रशांत किशोर ने मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। उम्मीदवार घोषित होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा, मेरे चुनाव जीतने से सरकार की सेहत पर बहुत बड़ा असर नहीं पड़ेगा। लेकिन इतना तय है कि अगर आप मुझे चुनकर विधानसभा भेजेंगे, तो मैं 242 विधायकों पर भारी पड़ूंगा और लोगों की उम्मीदों का बोझ अपने कंधों पर उठाकर उनका प्रतिनिधित्व करूंगा।

सरकार नहीं बदलेगी राजनीति बदलेगी

प्रशांत किशोर ने कहा कि उनकी जीत या हार से सरकार नहीं बदलेगी, लेकिन (शेष पृष्ठ 6 पर...)

ईरान में आयतुल्ला अली खामेनेई की नमाज-ए-जनाजा अदा, लाखों लोगों ने दी अंतिम विदाई

तेहरान। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई की नमाज-ए-जनाजा रविवार को राजधानी तेहरान स्थित इमाम खुमैनी मुसल्ला मस्जिद में अदा की गयी। इस दौरान लाखों लोग उनके जनाजे में शामिल हुए। जनाजे में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोग सुबह से ही मस्जिद परिसर पहुंचने लगे थे। अनेक लोग ईरानी राष्ट्रीय ध्वज लेकर समारोह में शामिल हुए। नमाज-ए-जनाजा का नेतृत्व आयतुल्ला जाफर सुबहानी ने किया।

समारोह में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान, वरिष्ठ सैन्य एवं राजनीतिक अधिकारी तथा प्रमुख धार्मिक नेता भी मौजूद रहे। आयतुल्ला खामेनेई की 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इजरायल के हमलों में मृत्यु हो गयी थी, जिसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की थी। उनके अंतिम संस्कार से जुड़े आधिकारिक कार्यक्रम शुक्रवार से शुरू हो गये थे। इस दौरान क्षेत्रीय और अन्य देशों के नेताओं तथा आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को तेहरान में मुख्य अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद सात जुलाई को अंतिम संस्कार से जुड़े (शेष पृष्ठ 6 पर...)

ई-20 पेट्रोल पर फैली अफवाह निकली फर्जी? केंद्र सरकार ने दी सफाई

नई दिल्ली। क्या भूटान ने भारत का ई-20 पेट्रोल लेने से इनकार कर दिया है? पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया और राजनीतिक बयानबाजी के बीच यही दावा चर्चा में था। अब केंद्र सरकार ने इस पूरे मामले पर स्थिति साफ कर दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि भूटान को श्व20 पेट्रोल निर्यात करने का कोई प्रस्ताव ही नहीं भेजा गया। ऐसे में भूटान के इनकार करने की खबरें पूरी तरह गलत और भ्रामक हैं। सरकार ने लोगों से केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की अपील भी की है।

भूटान को ई-20 पेट्रोल भेजने का कोई प्रस्ताव नहीं

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए इस दावे का फैक्ट चेक जारी किया। मंत्रालय ने साफ कहा कि भारत की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने भूटान को ई-20 पेट्रोल निर्यात करने का कोई प्रस्ताव नहीं दिया है। इसलिए यह कहना गलत है कि भूटान ने भारत का ई-20 पेट्रोल लेने से मना कर दिया। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक फेसबुक पोस्ट में कहा कि भूटान द्वारा भारत के ई-20 पेट्रोल को ठुकराने का दावा पूरी तरह झूठा है। सरकार ने लोगों से अपील की कि वे केवल पेट्रोलियम मंत्रालय और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से जारी आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। दरअसल, इससे एक दिन पहले कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि भूटान, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका ने भारत का ईंधन लेने से इनकार कर दिया है। इसके बाद यह मामला तेजी से चर्चा में आ गया। अब केंद्र सरकार ने इन दावों को तथ्यों के आधार पर खारिज कर दिया है। ई-20 पेट्रोल को लेकर हाल के दिनों में कई तरह की शंकाएं भी सामने आई हैं। कुछ लोगों ने इसकी गुणवत्ता और इंजन पर असर को लेकर सवाल उठाए हैं। इस पर भी सरकार ने विस्तार से जवाब दिया है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने (शेष पृष्ठ 6 पर...)

'मंदिर पब्लिक अथॉरिटी नहीं', यह कहकर पल्ला नहीं झाड़ सकता है सरकारी विभाग; सीआईसी ने आरटीआई को लेकर सुनाया फैसला

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील फैसला सुनाया है। सीआईसी ने पुडुचेरी के हिंदू धार्मिक संस्थान और वक्फ विभाग को कड़े निर्देश देते हुए कहा है कि कोई मंदिर 'पब्लिक अथॉरिटी' नहीं है, सिर्फ इस दलील के आधार पर सरकारी विभाग मंदिर से जुड़े रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की अपनी वैधानिक जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकता।

दरअसल, यह पूरा मामला श्री वेदपुरीश्वरर श्री वरदराजपेरुमल देवस्थानम मंदिर से जुड़े रिकॉर्ड्स और बजट की जानकारी मांगने से जुड़ा है। एक आवेदक ने पुडुचेरी के हिंदू धार्मिक संस्थान और वक्फ विभाग से इस मंदिर के साल 2021 से 2025 तक के वार्षिक बजट, ऑडिट रिपोर्ट, संपत्तियों के हस्तांतरण और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ आई शिकायतों तथा उन पर हुई कार्रवाई का ब्योरा मांगा था।

विभाग अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकता

विभाग ने इस आरटीआई आवेदन को मंदिर प्रशासन के पास भेज दिया। लेकिन मंदिर प्रशासन ने यह कहते हुए जानकारी देने से साफ इनकार कर दिया कि देवस्थानम को पुडुचेरी सरकार से कोई बड़ी वित्तीय मदद नहीं मिलती, इसलिए वह आरटीआई कानून की धारा 2(एच) के तहत 'पब्लिक अथॉरिटी' नहीं है। इस पर सुनवाई करते हुए सूचना आयुक्त पी.आर. रमेश ने बेहद भावपूर्ण और तार्किक रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदक ने जानकारी मंदिर से नहीं, बल्कि सरकारी विभाग से मांगी थी, जो कि आरटीआई कानून के तहत खुद एक 'पब्लिक अथॉरिटी' है। सीआइसी ने कहा कि भले ही मंदिर सीधे तौर पर इस कानून के दायरे में न आता हो, लेकिन जो रिकॉर्ड कानूनन सरकारी विभाग के पास मौजूद हैं या उसकी कस्टडी में हैं, उन्हें देने से विभाग इनकार नहीं कर सकता। सिर्फ आवेदन को दूसरी जगह ट्रांसफर कर देने से विभाग की जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती।

पारदर्शिता और सूचना के अधिकार की जीत

सीआईसी ने विभाग की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि शिकायतों और जांच से जुड़ी जानकारियां आरटीआई के दायरे में नहीं आतीं। आयोग ने कहा कि अगर विभाग के पास शिकायतों, जांच की स्थिति और अनुशासनात्मक कार्रवाई का रिकॉर्ड मौजूद है, तो वह कानूनन 'सूचना' की श्रेणी में आता है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

'नकटी में विधायक कॉलोनी नहीं बनेगी' हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष अनुराग सिंह का बड़ा बयान

रायपुर। माना स्थित नकटी गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर जारी विवाद के बीच छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष अनुराग सिंह ने बड़ा बयान दिया है। विधायक कॉलोनी बनाए जाने की चर्चाओं को खारिज करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि नकटी गांव में विधायक कॉलोनी का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस जमीन को लेकर विवाद हो रहा है, वह हाउसिंग बोर्ड के अधीन नहीं, बल्कि राजस्व विभाग की शासकीय भूमि है।

प्रेसवार्ता में अनुराग सिंह ने कहा कि नकटी की विवादित भूमि फिलहाल हाउसिंग बोर्ड को हस्तांतरित नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि यह पूरी जमीन राजस्व विभाग के अधीन है और उसी के रिकॉर्ड में शासकीय भूमि के रूप में दर्ज है। ऐसे में विधायक कॉलोनी बनाए जाने की चर्चा तथ्यहीन है।

2022 से शुरू हुआ अतिक्रमण, बाद में बढ़ा कब्जा

हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष के अनुसार वर्ष 2022 में लगभग तीन हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण दर्ज किया गया था। इसके बाद वर्ष 2023-24 के दौरान शेष क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे किए गए। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोगों ने 29 हजार वर्गफीट तक शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था।

हाईकोर्ट भी मान चुका है शासकीय भूमि

अनुराग सिंह ने कहा कि संबंधित भूमि को लेकर न्यायालय में भी सुनवाई हो चुकी है और हाईकोर्ट ने भी इसे शासकीय भूमि माना है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की कार्रवाई नियमों और कानून के दायरे में की गई है तथा इसे किसी अन्य रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं है।

कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

प्रेसवार्ता के दौरान अनुराग सिंह ने कांग्रेस पर जनभावनाओं को भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मामले को राजनीतिक रंग देकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। उनका आरोप था कि कांग्रेस प्रदेश में बलौदाबाजार जैसी स्थिति दोहराने की कोशिश कर रही है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पहला कॉलम...

आज भाजपा द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

राजनांदगांव (दावा)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रखर पुरोधा भारतीय जन संघ के संस्थापक अध्यक्ष एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 सी जयंती को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस परिपेक्ष में जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने बताया कि आज 06 जुलाई दोपहर 12 बजे भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर संगोष्ठी सभा का आयोजन किया गया है, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता यशवंत जैन का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जिला महामंत्री सौरभ कोठारी एवं डिकेश साहू ने सभी मोर्चा प्रकोष्ठ एवं भाजपा के मंडल तथा जिले के पदाधिकारी को उपस्थित का आह्वान किया है।

समाज सेवा में अग्रणी ममता अवस्थी का हुआ सम्मान, मीडिया समूह ने प्रतिभा को सराहा

राजनांदगांव (दावा)। नगर के प्रतिष्ठित सुरेंद्रनाथ अवस्थी परिवार की बड़ी पुत्रवधू श्रीमती ममता संजीव अवस्थी को उनके द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए आज एक प्रतिष्ठित मीडिया समूह द्वारा सम्मानित किया गया। श्रीमती अवस्थी लंबे समय से समाज के उत्थान और जनकल्याण के कार्यों में अपना अमूल्य योगदान देती आ रही हैं। इसी समर्पण को देखते हुए एक भव्य आयोजन में मीडिया समूह ने उनकी काबिलियत को पहचानते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज की राजनांदगांव इकाई की अध्यक्ष श्रीमती ममता संजीव अवस्थी कान्यकुब्ज महिला मंडल सहित अन्य कई सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय हैं। इन संस्थाओं के माध्यम से उन्होंने समाजोपयोगी कार्यों में अभूतपूर्व योगदान देकर अपनी एक अद्वितीय पहचान बनाई है। श्रीमती अवस्थी का सेवा क्षेत्र बेहद विस्तृत रहा है। जिसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्य शामिल हैं। जिसमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने के साथ-साथ प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ लोगों को जागरूक करने में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई है।

समाज के बुजुर्गों की सेवा-सहायता करने के अलावा बाल दिवस तथा महिला दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों में उनका अमूल्य योगदान स्मरणीय रहा है। श्रीमती ममता संजीव अवस्थी को मिले इस गौरवपूर्ण सम्मान पर उनकी अनन्य मित्र मंडली और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

युगांतर की इशिता प्रिन्सेस ऑफ छत्तीसगढ़ बनी

राजनांदगांव (दावा)। युगांतर पब्लिक स्कूल की छात्रा इशिता कोडपी ने प्रिन्सेस ऑफ छत्तीसगढ़ बनकर विद्यालय और नगर को गौरवान्वित किया है। प्रिन्सेस ऑफ छत्तीसगढ़ प्रतियोगिता विगत दिनों वेलेनटीनो डांस स्टूडियो एण्ड थर्ड आई प्रोडक्शन हाउस के संयुक्त तत्वावधान में गोविन्द राम ऑडोटोरियम में आयोजित की गई थी, जिसमें इशिता ने रैम्पवाक तथा व्यक्तित्व प्रदर्शन के सभी राउंड में आत्मविश्वास और अपनी प्रतिभा के बल पर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। उन्हें सम्मानित राशि व सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि इशिता ने इंडिया का बिगेस्ट किड्स फैशन इवेंट्स जूनियर मिस इंडिया 2025-26 तथा इन्टरनेशनल फैशन एवार्ड वर्ल्ड सेशन 4 में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इस वर्तमान सत्र में लगभग 140 प्रतिभागियों के बीच प्रिन्सेस ऑफ छत्तीसगढ़ बनकर एक नया कीर्तिमान रचा है। विद्यालय के प्राचार्य मधुसूदन नायर, निदेशक (अकेडमिक्स) सुशील कोठारी, चेयरमैन अजय सिंगी, वाइस चेयरमैन अखराज कोटड़ीया, सेक्रेटरी विनय डड्ढा, कोषाध्यक्ष मिश्रीलाल गोलछा, निदेशक (अकेडमिक्स) नरेंद्र कोटड़िया, पीआरओ स्पोर्ट्स ऑफिसर दिनेश प्रताप सिंह, हेड मिस्ट्रेस विनीता तिलवानी सहित युगांतर परिवार ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाइयाँ दी हैं।

ग्राम बिजनापुर में जर्जर बिजली पोल के धराशाई होने से 6 गायों की दर्दनाक मौत

बार-बार शिकायत के बाद भी नहीं बदला गया क्षतिग्रस्त पोल, टूटकर गिरे चालू लाइन के तार

बिजली विभाग की अनदेखी और घोर लापरवाही से हुआ बड़ा हादसा, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

डोंगरगढ़ (दावा)। समीपस्थ ग्राम बिजनापुर में एक बड़ा और दर्दनाक हादसा सामने आया है। जहां बिजली विभाग की लापरवाही ने छह बेजुबान पशुओं की जान ले ली। ग्राम बिजनापुर के मवेशी बाजार और खेतों के पास उस समय हड़कंप और दहशत व्याप्त हो गई, जब एक जर्जर व क्षतिग्रस्त बिजली पोल अचानक भरभरा कर जमींदोज हो गया। पोल गिरते ही हाई वोल्टेज करंट प्रवाहित तार सीधे वहां से गुजर रहे मवेशियों पर जा गिरे। जिसकी चपेट में आने से छह गायों की मौके पर ही तड़प-तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद से पूरे गांव में शोक की लहर है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। जैसे ही जर्जर पोल गिरने और गायों की मौत की खबर मिली, बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे। बिजली विभाग की यह घोर लापरवाही अक्षम्य है। हमने प्रशासन से मांग की है कि मृत पशुओं के मालिकों को तत्काल उचित मुआवजा दिया जाए। क्षेत्र के सभी जर्जर पोलों को तुरंत बदला जाए और इस बड़ी लापरवाही के लिए जिम्मेदार दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

लिखित और मौखिक शिकायतों को विभाग ने किया नजरअंदाज

ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि संबंधित बिजली पोल लंबे समय से बेहद जर्जर और खतरनाक अवस्था में खड़ा था। हवा-तूफान आने पर इसके कभी भी गिरने की आशंका बनी हुई थी। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा कई बार स्थानीय बिजली दफ्तर और लाइनमैन को मौखिक व लिखित रूप से सूचित कर पोल बदलने की मांग की गई थी, लेकिन कुंभकर्णी नींद में सोए विभाग ने समय रहते कोई सुध नहीं ली। विभाग की इसी हीला-हवाला और अनदेखी का खामियाजा आज इन बेजुबान पशुओं को अपनी जान देकर भुगतना पड़ा।

अन्य बड़े हादसों का बना है डर

ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह हादसा किसी स्कूल के समीप या घनी आबादी वाले मोहल्ले में हुआ होता, तो कई इंसानी जानें भी जा सकती थीं। फिलहाल, ग्रामीणों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अमले को भी सूचित किया गया है, ताकि पीड़ित पशुपालकों को न्याय मिल सके।

अशांति फैलाने वाला शातिर बदमाश देवराज वर्मा गिरफ्तार, भेजा जेल

राजनांदगांव (दावा)। क्षेत्र में अमन-चैन और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से चिखली पुलिस ने अशांति फैलाने वाले समाजकंटकों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में पुलिस चौकी चिखली की टीम ने वाद-विवाद कर शांति भंग करने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेजने में सफलता हासिल की है। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के कड़े निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में राजनांदगांव को नशा मुक्त व अपराध मुक्त बनाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अप्रिय घटना की थी आशंका, पुलिस ने समय रहते दबोचा

इसी अभियान के तहत पुलिस को सूचना मिली कि शंकरपुर वार्ड नंबर 09 (चौकी चिखली) निवासी देवराज वर्मा पिता संतराम वर्मा उम्र 39 वर्ष इलाके में लगातार वाद-विवाद कर अशांति फैला रहा है। आरोपी की हरकतों से क्षेत्र में किसी बड़ी अप्रिय घटना के घटित होने की प्रबल आशंका बनी हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कदम उठाया और बदमाश को अभिरक्षा में ले लिया। असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करते हुए चिखली पुलिस ने आरोपी देवराज वर्मा के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170, 126, और 135(3) के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। इसके बाद आरोपी को माननीय न्यायालय राजनांदगांव के समक्ष पेश किया गया। जहां से न्यायालय के आदेशानुसार उसे सीधे जेल भेज दिया गया है।

युवती से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे, लालबाग पुलिस ने दबोचा

राजनांदगांव (दावा)। थाना क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर मुस्तैद लालबाग पुलिस ने एक युवती के साथ छेड़छाड़ करने वाले शातिर आरोपी को त्वरित कार्रवाई करते हुए धर दबोचा है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। लालबाग थाना प्रभारी रमेश पटेल ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि घटना शनिवार, 4 जुलाई की सुबह लगभग 4:30 बजे की है। पीड़िता अपने घर की सीढ़ियों पर थी। तभी आरोपी ने उससे बात करनी है कहकर पास बुलाया। पीड़िता के नजदीक आते ही आरोपी ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया और उसके साथ अश्लील हरकत करने का प्रयास किया।

पीड़िता की शिकायत पर लालबाग पुलिस ने तत्काल तत्परता दिखाते हुए अपराध पंजीबद्ध किया और आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी हामिद खान पिता गुलशेर खान उम्र 43 वर्ष निवासी ब्लॉक नंबर 21 अटल आवास पेंड्री को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी के अनुसार आरोपी हामिद खान के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 के अंतर्गत अपराध पंजीकृत कर मामले को विवेचना में लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी पूरी कर ली है। जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा जा रहा है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के असामाजिक तत्वों में हड़कंप है।

संस्कार सिटी के चार एनसीसी कैडेट्स का बिलासपुर सैन्य शिविर के लिए चयन

2 से 12 जुलाई तक आयोजित थल सैनिक कैंप की बारीकियां सीखेंगे छात्र

राजनांदगांव (दावा)। संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल के चार होनहार एनसीसी कैडेट्स का चयन प्रतिष्ठित संयुक्त वार्षिक शिविर (130 ग्रुप टीएससी-1) के लिए हुआ है। इस शानदार उपलब्धि से विद्यालय परिवार सहित पूरे जिले में खुशी और हर्ष का माहौल है। चयनित चारों कैडेट्स 2 से 12 जुलाई तक बिलासपुर में आयोजित होने वाले इस विशेष सैन्य शिविर में भाग लेकर कड़ा प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। शिविर के दौरान कैडेट्स को थल सैनिक कैंप (टीएससी) की मुख्य तैयारी के तहत शूटिंग, उन्नत सैन्य प्रशिक्षण (एडवांस्ड मिलिट्री ट्रेनिंग), ड्रिल (परेड) तथा नेतृत्व विकास (लीडरशिप डेवलपमेंट) से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार इस प्रतिष्ठित शिविर के लिए चयनित होने वाले छात्रों में कक्षा 9वीं से ओझल पटेल और हिमांशु साहू व कक्षा 10वीं से पुष्कर साहू और सौरभ पोंडी शामिल हैं। विद्यालय प्रबंधन ने कैडेट्स के इस चयन को संस्था और राजनांदगांव जिले के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य रेखा तिवारी ने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में केवल शारीरिक क्षमता ही नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करती है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे ये सभी कैडेट्स बिलासपुर शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और पूरे जिले का नाम रोशन करेंगे।

कैडेट्स की इस बड़ी सफलता पर विद्यालय के प्रबंधक अतुल देशलहरा, आदित्य अग्रवाल एवं ऊहा अग्रवाल ने भी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्रबंधन ने कहा कि कैडेट्स की यह सफलता स्कूल के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी साबित होगी और उम्मीद है कि भविष्य में ये छात्र राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे।

अधिवक्ताओं की गरिमा एवं विशिष्ट पहचान बनाए रखने होटल, रेस्टोरेंट व निजी प्रतिष्ठानों के लिए अलग ड्रेस कोड की मांग

विधि विद्यार्थियों की पहल

बिलासपुर (दावा)। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय (जीजीसीयू) की विधि छात्राओं गौतमी रामटेके एवं माही रामटेके ने छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री एवं प्रमुख सचिव को ज्ञापन प्रेषित कर होटल, रेस्टोरेंट, कैफे तथा अन्य निजी प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों के लिए पृथक ड्रेस कोड निर्धारित किए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि यह कदम अधिवक्ताओं एवं विधि विद्यार्थियों की गरिमा, सम्मान और विशिष्ट पहचान को बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण होगा। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में विधि महाविद्यालयों के विद्यार्थी एवं अधिवक्ता परंपरागत रूप से सफेद शर्ट एवं काली पैंट धारण करते हैं। यह परिधान केवल एक ड्रेस नहीं, बल्कि संविधान, न्यायपालिका, विधि के शासन, अनुशासन और न्याय व्यवस्था के प्रति सम्मान का प्रतीक है। किंतु वर्तमान समय में अनेक होटल, रेस्टोरेंट, कैफे एवं अन्य निजी प्रतिष्ठानों के कर्मचारी भी समान प्रकार का परिधान धारण करते हैं, जिससे आम नागरिकों के बीच भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है तथा विधि व्यवसाय की विशिष्ट पहचान प्रभावित होती है। विधि छात्राओं ने कहा कि अधिवक्ता और विधि विद्यार्थी न्याय व्यवस्था का अभिन्न अंग हैं। उनके पारंपरिक परिधान की अलग पहचान बनाए रखना आवश्यक है, ताकि समाज में इस सम्मानित पेशे की गरिमा अक्षुण्ण बनी रहे। ज्ञापन में राज्य शासन से आग्रह किया गया है कि होटल, रेस्टोरेंट, कैफे एवं अन्य निजी प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों के लिए ऐसा पृथक ड्रेस कोड निर्धारित करने संबंधी नीति बनाई जाए, जो विधि विद्यार्थियों एवं अधिवक्ताओं के पारंपरिक परिधान से स्पष्ट रूप से भिन्न हो। इससे न केवल विधि व्यवसाय की गरिमा एवं सम्मान सुरक्षित रहेगा, बल्कि आमजन के बीच उत्पन्न होने वाला भ्रम भी समाप्त होगा। गौतमी रामटेके एवं माही रामटेके ने विश्वास व्यक्त किया है कि छत्तीसगढ़ शासन जनहित, न्याय व्यवस्था की गरिमा तथा विधि व्यवसाय की विशिष्ट पहचान को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर सकारात्मक निर्णय लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेगा। मुख्य मांगें- होटल, रेस्टोरेंट, कैफे एवं अन्य निजी प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों के लिए पृथक ड्रेस कोड निर्धारित किया जाए। अधिवक्ताओं एवं विधि विद्यार्थियों के पारंपरिक परिधान (सफेद शर्ट एवं काली पैंट) की विशिष्ट पहचान सुरक्षित रखी जाए। इस संबंध में राज्य स्तर पर आवश्यक नीति एवं दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

तहसीलदार राजनांदगांव के न्यायालय
जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)
// ईश्तहार //
रा.मा.क्रं. 201807090400064
बी-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक दशरी बाई साहू आ. छन्नूराम साहू निवासी शहर/ग्राम गठुला प.ह.नं. 32 तहसील व जिला-राजनांदगांव द्वारा अपने पिता छन्नू राम साहू आ. शिशुपाल साहू जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग की गई है। उपरोक्त आवेदन पत्र इस न्यायालय में जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु प्रकरण विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे सुनवाई तिथि 30/06/2026 तक लिखित में स्वयं/अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार दिनांक 19/06/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 19/06/26
सुनवाई दिनांक 30/07/26

कार्यपालिक दंडाधिकारी
राजनांदगांव (छ.ग.)

घर से बिना बताए हैदराबाद जा रही भिलाई की युवती को तुमड़ीबोड़ पुलिस ने सुरक्षित रोका

पुलिस की मुस्तैदी से युवती सकुशल परिजनों तक पहुंची, आशीर्वाद ट्रेवल्स की बस रुकवाकर लिया अभिरक्षा में

राजनांदगांव/तुमड़ीबोड़ (दावा)। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में आमजन की सुरक्षा तथा गुमशुदा व्यक्तियों की त्वरित तलाश हेतु लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में तुमडीबोड़ पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जहां घर से बिना बताए हैदराबाद भाग रही भिलाई की एक युवती को पुलिस ने सूझबूझ और सतर्कता दिखाते हुए सुरक्षित बचा लिया।

सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर रुकवाई बस

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तुमड़ीबोड़ पुलिस चौकी को पुख्ता सूचना प्राप्त हुई थी कि भिलाई निवासी एक युवती अपने परिजनों को बिना कुछ बताए हैदराबाद जाने के लिए आशीर्वाद ट्रेवल्स की बस (क्रमांक सीजी 08 बीएफ 0990) में सवार होकर रवाना हुई है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तुमडीबोड़ चौकी पुलिस तत्काल सक्रिय हुई। पुलिस टीम ने हाइवे पर मोर्चा संभाला और संबंधित बस को तुमडीबोड़ क्षेत्र के पास सफलतापूर्वक रुकवाकर उक्त युवती को सुरक्षित अपनी अभिरक्षा में लिया।

चौकी लाने के बाद पुलिस अधिकारियों द्वारा युवती से पूछताछ की गई तथा उसे आवश्यक समझाइश दी गई। इसके तुरंत बाद भिलाई में रह रहे उसके चिंतित परिजनों को घटना की सूचना दी गई। बेटी के सुरक्षित मिलने की खबर पाकर परिजन तत्काल तुमडीबोड़ चौकी पहुँचे। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक औपचारिकताएं और कागजी कार्रवाई पूर्ण करने के उपरांत युवती को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। अपनी बेटी को सही-सलामत पाकर परिजनों ने राजनांदगांव पुलिस का सहृदय आभार व्यक्त किया है।

जिले में अब तक 1123.1 मिमी वर्षा दर्ज

राजनांदगांव (दावा)। जिले में इस वर्ष चालू मानसून वर्ष में 1 जून 2026 से अब तक जिले के सभी 7 तहसीलों में 1123.1 मिमी बारिश एवं औसत 160.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी अनुसार डोंगरगढ़ तहसील में 175.5 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 201.5 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 205.8 मिमी, घुमका तहसील में 49 मिमी, छुरिया तहसील में 129.9 मिमी, कुमरदा तहसील में 205.3 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 156.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है। अब तक सर्वाधिक वर्षा राजनांदगांव तहसील में 205.8 मिमी दर्ज की गई है।

भारी बारिश से जिला अस्पताल और निचली बस्तियों में जलभराव, महापौर ने टीम के साथ किया निरीक्षण

महापौर मधुसूदन यादव ने निगम प्रशासन को दिए त्वरित निदान के सख्त निर्देश, मौके पर डटे रहे जनप्रतिनिधि

राजनंदगांव (दावा)। शहर में पिछले कुछ घंटों से हो रही भारी बरसात के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश के चलते स्थानीय जिला अस्पताल परिसर सहित शहर की कई निचली बस्तियों में भारी जलभराव की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। अस्पताल में पानी भरने से मरीजों और उनके परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए महापौर मधुसूदन यादव ने तत्काल अपनी टीम के साथ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और जमीनी हकीकत का जायजा लिया।

मौके पर पहुंचे जनप्रतिनिधि, निगम अमले को दी हिदायत

जलभराव की सूचना मिलते ही महापौर मधुसूदन यादव, नगर निगम अध्यक्ष पारस वर्मा और पूर्व पार्षद देवशरण सिंह सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ सीधे जिला अस्पताल और जलमग्न हुई निचली बस्तियों में पहुंचे। उन्होंने घुटनों तक भरे पानी के बीच जाकर स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। महापौर ने मौके से ही निगम प्रशासन के आला अधिकारियों और स्वास्थ्य अमले को फोन कर तत्काल पानी निकासी की व्यवस्था करने के सख्त निर्देश दिए।

निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों को हिदायत दी कि नालियों और बड़े नालों में फंसी गंदगी को तुरंत साफ किया जाए ताकि बारिश के पानी का फ्लो (बहाव) तेजी से हो सके। इसके साथ ही उन्होंने जिला अस्पताल प्रबंधन और निगम अमले को आपसी समन्वय बनाकर काम करने को कहा ताकि मरीजों को किसी भी तरह की आपातकालीन स्थिति का सामना न करना पड़े। इस दौरान स्थानीय नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं की टीम भी जलभराव से प्रभावित लोगों की मदद के लिए उपस्थित रही।

> अस्पताल और रिहाइशी इलाकों में पानी का भराव बेहद चिंताजनक है। निगम की ड्रेनेज टीम और सफाई कर्मियों को तत्काल युद्ध स्तर पर तैनात कर दिया गया है। जब तक पानी पूरी तरह निकल नहीं जाता, तब तक अमला मौके पर मुस्तैद रहेगा।
>
> **- मधुसूदन यादव, महापौर**

शिक्षा में भी महंगाई की मार दे दी छग की भाजपा सरकार-कुसुम दुबे

महंगाई से सर्वहारा हलाकान, फीस वृद्धि से पालक परेशान

राजनांदगांव (दावा)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव की महामंत्री अधिवक्ता कुसुम दुबे ने छ ग सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त स्कूलों, स्वामी आत्मानंद एवं पीएमश्री स्कूलों में बच्चों की बढ़ाई गई फीस पर सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहीं की एक तरफ छ.ग. सरकार स्कूलों में शिक्षक भर्ती करने में, महंगाई रोकने में असफल है वहीं शिक्षा जैसे पवित्र पावन कार्य में भी फीस बढ़ाकर सर्वहारा वर्ग को महंगाई की मार झेलने विवस कर दी है।

महामंत्री कुसुम दुबे ने सीधे शब्दों में कही कि किसी भी राज्य की प्रगति में शिक्षा का सर्वाधिक महत्व होता है और ऐसी दशा में शिक्षा पर महंगाई की मार राज्य के विकास में बाधा उत्पन्न करने वाला कार्य है छ.ग. सरकार स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती ना कर निजी स्कूलों को 8प्रतिशत तक एवं सरकारी स्कूलों के फीस में वृद्धि कर उसे आंशिक वृद्धि बताकर गुमराह कर रही है है वहीं इस वृद्धि से पालकों और छात्रों पर जो मानसिक त्रासदी बढ़ी है उससे सरकार बेसुध है बढ़ाई गई फीस शिक्षा के साथ अन्य गतिविधियों जैसे बालचर, क्रीड़ा शुल्क, विज्ञान क्लब, विज्ञान प्रायोगिक शुल्क सहित परीक्षा शुल्क में वृद्धि अपने आप में अन्याय का प्रतीक है सभी मदों को मिलाकर हाई स्कूल के बच्चों की फीस 410 रुपए से बढ़ाकर 500 हायर सेकेंडरी में 445 से बढ़ाकर 550 रुपए और 10वीं एवं 12वीं की निर्धारित फीस 460 रु को बढ़ाकर 800 रु कर दिया गया है इसी प्रकार परीक्षा शुल्क 480रु अंकसूची शुल्क 200 रु तथा प्रति विषय प्रायोगिक शुल्क 120 रु कर दिया गया है यहां तक की ओपन स्कूल की परीक्षा फीस भी बढ़ोतरी कर सर्व शिक्षा पर प्रहार करने का तुगलकी निर्णय छ.ग. की भाजपा सरकार ने ली है।

भारत माता चौक के बिजली खंभे में फिर भड़की भीषण आग, चिंगारियां देख सहमे लोग

बारिश के मौसम में भी तीसरी बार लगी आग, तारों के मकड़जाल और विभाग की लापरवाही से व्यापारियों में आक्रोश

राजनांदगांव (दावा)। शहर के हृदय स्थल भारत माता चौक पर स्थित एक बिजली खंभे में अचानक भीषण आग लगने से रविवार को हड़कंप मच गया।

शनिवार की बीती रात हुई झमाझम बारिश और रविवार को दिनभर चली हल्की फुहारों के बाद जहां एक ओर मौसम खुशनुमा और ठंडा बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर इस ठंडे मौसम में भी बिजली खंभे से आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते खंभे से चड़-चड़ की आवाज के साथ छोटे विस्फोट होने लगे और अनारदाने की तरह चिंगारियां फूटने लगीं। जिससे डरकर आसपास मौजूद लोग और राहगीर इधर-उधर भागने लगे। गौरतलब है कि भारत माता चौक के इसी बिजली खंभे में आगजनी की यह तीसरी घटना है। इससे पहले भीषण गर्मी के दिनों में कुछ ही दिनों के अंतराल पर दो बार इस खंभे में आग लग चुकी है। उस वक्त विभाग द्वारा इसका कारण ओवरलोडिंग बताया गया था, लेकिन अब बारिश के इस ठंडे मौसम में अचानक लगी आग ने बिजली विभाग के दावों पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

केबलों का मकड़जाल और बैनर-पोस्टर बने आफत की जड़

भारत माता चौक के समीप स्थित इंदु मेडिकल के संचालक गुंजन गुप्ता ने बताया कि इस बिजली खंभे पर तारों का भारी मकड़जाल बना हुआ है। इसमें बिजली के तारों के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरे के वायर, केबल टीवी के चैनल वायर और जियो जैसी टेलीकॉम कंपनियों के फाइबर वायर एक साथ बेतरतीब तरीके से फंसे हुए हैं। इसके ऊपर से इसी खंभे में अवैध रूप से भारी-भरकम बैनर और पोस्टर भी टांग दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि जरा सा भी लोड बढ़ने या शॉर्ट सर्किट होने पर यह खंभा चिंगारियां फेंकने लगता है। पिछली बार जब आग लगी थी, तब जियो कंपनी के कर्मचारी तारों के मकड़जाल को सुधार कर गए थे और दावा किया था कि अब दोबारा ऐसी घटना नहीं होगी, लेकिन रविवार को फिर वही नजारा देखने को मिला।

व्यापारियों ने जताया भारी आक्रोश

गनीमत रही कि रविवार की इस घटना के वक्त कोई भी नागरिक या वाहन चालक सीधे तौर पर उन गिरती हुई चिंगारियों की चपेट में नहीं आया, अन्यथा कोई बड़ी दुर्घटना या जनहानि हो सकती थी। बार-बार एक ही खंभे में लग रही आग को लेकर आसपास के स्थानीय व्यापारियों ने विद्युत विभाग के प्रति गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। व्यापारियों ने इसे विभाग की घोर लापरवाही का परिणाम बताया है। बहरहाल, घटना की सूचना मिलने के बाद विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और देर तक व्यवस्था सुधारने के काम में जुटे रहे।

शक्तिधाम स्थापना दिवस पर भक्तों का उमड़ा हुजूम, 61 यूनिट रक्तदान कर दिया जनसेवा का संदेश

भक्तिमय माहौल में महाकाली की आरती, वृक्षारोपण और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। शहर के वार्ड नंबर 1 स्थित शक्तिधाम महाकाली मंदिर में आज 6वां स्थापना दिवस भक्तिमय माहौल में धूमधाम से मनाया गया। प्रातः मां काली की अघोर महाआरती पश्चात वृक्षारोपण, रक्तदान एवं आयुर्वेदिक स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। जहां आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. प्रज्ञा सक्सेना एवं उनकी टीम ने सेवाएं दी। स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में ग्राम सहित दूर-दराज से आए लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ लिया। वहीं रक्तदान में दूर-दराज से आये माता के भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिए।

आज शहर के बाबूटोला वार्ड नंबर 1 स्थित शक्तिधाम महाकाली मंदिर में 6वां स्थापना दिवस भक्तिमय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में राजनांदगांव के महापौर मधुसूदन यादव, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार, हिन्दू परिषद के नगर महामंत्री अनुप श्रीवास एवं शहर कर प्रतिष्ठित अलौपैथीक विशेषज्ञ डॉ. उत्तम चावड़ा, भजन गायक व समाजसेवी चंद्रेश जैन उपस्थित रहे। उन्होंने मां काली की पूजा-अर्चना पश्चात मंदिर समिति के स्थापना दिवस पर शुभकामनायें दी एवं उज्वल भविष्य की कामना की। मंदिर समिति के संस्थापक गुरुदेव हरीश यादव ने रक्तदान कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। शक्तिधाम महाकाली मंदिर के प्रधान संस्थापक व मुख्या गुरुदेव हरीश यादव ने बताया कि इस वर्ष शक्तिधाम के स्थापना दिवस पर प्रातः मां महाकाली की आरती पश्चात छाया प्रदान करने वाले वृक्षों का रोपण किया गया। समिति के सदस्यों सहित दूर-दराज से आये माता के भक्तों ने 61 यूनिट ब्लड डोनेट किये। समिति द्वारा आयुर्वेद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसे लोगों का अच्छा प्रतिफल मिला।

इस अवसर पर महापौर श्री यादव ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि शक्तिधाम मंदिर के आलावा समाजसेवा के लिए भी प्रसिद्ध हैं। शक्तिधाम धर्मार्थ सेवा समिति की जनसेवा कार्य एक अलग ही पहचान बना चुकी हैं। भीषण गर्मी में राहगीरों को पेयजल वितरण करना, शरह के मुक्तिधाम में सफाई अभियान चलाना, वृक्षारोपण करना जैसे कार्य जनमानस में प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लगातार हो रही बारिश के बावजूद रक्तवीरों का उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना शक्तिधाम की लोकप्रियता हैं। इस अवसर पर श्री मुदलियार ने कहा कि शक्तिधाम के स्थापना दिवस पर रक्तदान जैसे पुण्य आयोजन जनसेवा के प्रति संवेदना को दर्शाती हैं। वास्तव में मंदिर के स्थापना दिवस पर स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर, सामाजिक समरसता कार्यक्रम सराहनीय और समाज को संदेश देने वाली अनुकरणीय पहल हैं।

समाजसेवी एवं प्रसिद्ध डॉक्टर श्री चावड़ा ने कहा कि शक्तिधाम की समाजसेवी कार्य के साथ ही अध्यात्म और विज्ञान के सामंजस्य से रोगियों और दुखियों की सेवा अनूठी और अनोखी हैं। आज पूजा-पाठ यज्ञ हवन के नाम से जहां लूट मची हैं, लोगों में भ्रम व्याप्त हैं, ऐसे समय में शक्तिधाम की निःस्वार्थ और निःशुल्क सेवा सराहनीय और संदेशप्रद हैं। विहिप के महामंत्री अनुप श्रीवास ने कहा कि आज विभिन्न समाज में भ्रांतिवश अलगाव बढ़ता जा रहा हैं। ऐसे में शक्तिधाम का सभी समाज को लेकर सामाजिक समरसता कार्यक्रम सभी समाज को एकजुट करने सराहनीय पहल है। श्री श्रीवास ने शक्तिधाम के सामाजिक एकजुटता के प्रत्येक कार्य में हरसंभव सहयोग करने की बात कही। शक्तिधाम के संस्थापक ने बताया कि शक्तिधाम के इस आयोजन में ग्राम सहित आसपास ग्रामों के लगभग 100 से ज्यादा लोगों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ लिया। आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. प्रज्ञा सक्सेना एवं उनकी टीम द्वारा उचित परामर्श व निःशुल्क औषधि प्रदान किया गया।

मुखिया हरीश यादव ने बताया कि शक्तिधाम धर्मार्थ सेवा समिति का मूल उद्देश्य सर्वजन हिताये सर्वजन सुखाए को ध्येय रखकर हमारी संस्था द्वारा इस तरह के जनसेवा का कार्य किया जाता रहा है। हमारी सेवा संस्था द्वारा ग्रीष्म में रेल यात्रियों को शीतल पानी पिलाना, वृद्धा आश्रम में भोजन सेवा, अभिलाषा मुकबधिर शाला में लेखनी सामग्री वितरण सहित स्टेशनों व फुटपाथ में रहने वालों को आवश्यक सामग्री भेंटकर सेवा किया जाता रहा है। श्री यादव ने आमजन से इस जनसेवा के मुहिम में अधिक से अधिक सम्मिलित होकर इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर जनसेवा के कार्य में सहभागिता की अपील की है। शक्तिधाम महाकाली मंदिर के स्थापना दिवस के अवसर पर समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में दूर-दराज के मंदिर के भक्त व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

लगातार हो रही भारी बारिश से डोंगरगढ़ बेहाल : निचली बस्तियों में बाढ़ जैसे हालात, नालियों का गंदा मलबा लोगों के घरों में घुसा

केदारबाड़ी और टिकरापारा में सबसे बदतर स्थिति, घुटनों तक भरा पानी, नगर पालिका की मानसून पूर्व तैयारियों के दावों की खुली पोल

डोंगरगढ़ (दावा)। विगत कई दिनों से अंचल में हो रही मूसलाधार बारिश के चलते शहर की बुनियादी व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। लगातार हो रहे जलभराव के कारण शहर के केदारबाड़ी सहित विभिन्न निचली बस्तियों के अनेक मोहल्लों में बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए हैं। भारी बारिश की वजह से शहर की अंदरूनी बस्तियों और मुख्य सड़कों पर कई फीट पानी जमा हो गया है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा हर साल मानसून से पहले नालियों और बड़े नालों की मुकम्मल सफाई के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात जस के तस बने हुए हैं। समय पर सिल्ट और कचरा न निकालने के कारण नालियों में जमा गंदगी युक्त गंदा पानी और मलबा बहकर अब लोगों के घरों के भीतर और आंगनों तक पहुंचने लगा है। इससे महामारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। अब लोगों की नजरें प्रशासन और नगर पालिका की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

वार्ड क्रमांक 3 में हाहाकार, सड़कों का नामोनिशान मिटा

इस मानसूनी आफत का सबसे भयावह रूप वार्ड क्रमांक 3 के केदारबाड़ी और टिकरापारा क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। इन इलाकों में पक्की सड़क और समुचित जल निकासी (नाली व्यवस्था) का घोर अभाव है, जिसके चलते हर वर्ष की तरह इस बार भी स्थिति बेकाबू हो गई है। मोहल्ले की सड़कें पूरी तरह से पानी में डूब चुकी हैं और टापू में तब्दील हो गई हैं। जलभराव इतना अधिक है कि लोगों का अपने घरों से बाहर निकलना भी दूभर हो गया है। कई परिवारों को जरूरी राशन और आपातकालीन कार्यों के लिए मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए विवश होकर घुटनों तक भरे गंदे पानी और कीचड़ के बीच से गुजरना पड़ रहा है। जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है।

अवैध निर्माण और लापरवाही का नतीजा : निजार जीवा

कांग्रेस नेता निजार जीवा ने इस बदहाली पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पालिका प्रशासन को घेरा है। उन्होंने कहा कि शहर के बड़े नालों को संकरी नाली में तब्दील कर दिया गया है। उन पर अवैध रूप से ढक्कन लगाकर दुकानें और मकान तान दिए गए हैं, जिसका खामियाजा आज बेकसूर शहर वासियों को भुगतना पड़ रहा है। पालिका द्वारा समय पर नालियों की सफाई नहीं होने से ही यह स्थिति निर्मित हुई है।

राहत और आफत एक साथ : किसानों के खिले चेहरे, व्यवस्था की खुली पोल

इस वर्ष भीषण गर्मी झेलने के बाद देरी से पहुंचे मानसून ने किसानों को बड़ी राहत दी है। अंचल में सही समय पर पर्याप्त वर्षा होने से कृषि कार्यों में तेजी आई है। जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। लेकिन जहां एक तरफ यह बारिश खेती-किसानी के लिए वरदान साबित हो रही है। वहीं दूसरी ओर इसने शहर की नगर पालिका की बदहाल प्रशासनिक व्यवस्थाओं और खोखले दावों की भी पूरी पोल खोलकर रख दी है।

23 माह की चुप्पी के बाद 15 दिनों का वादा : अब सरकार के सामने वचन निभाने की चुनौती

राजनांदगांव (दावा)। प्रदेश के 12 हजार से अधिक VB-G RAM-G (मनरेगा) कर्मचारियों के लंबे संघर्ष, धैर्य और लगातार उठाई गई आवाज़ के बाद राज्य सरकार ने आखिरकार 15 दिनों के भीतर मानव संसाधन नीति लागू करने का सार्वजनिक आश्वासन दिया है। उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री मा .विजय शर्मा के साथ हुई बैठक में यह भरोसा दिया गया कि पॉलिसी, ग्राम रोजगार सहायकों के, मानदेय से संविदा कर ग्रेट पे संबंधी विषय, वेतन वृद्धि एवं अन्य लंबित मांगों पर समयबद्ध निर्णय लिया जाएगा। छत्तीसगढ़ मनरेगा कर्मचारी महासंघ ने सरकार के इस आश्वासन का सम्मान करते हुए अपना चरणबद्ध आंदोलन अस्थायी रूप से स्थगित किया है। महासंघ ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय कर्मचारियों की कमजोरी नहीं, बल्कि सरकार को अपने वचन पर खरा उतरने का अंतिम अवसर देने की भावना से लिया गया है।

महासंघ ने कहा कि 20 वर्षों से ग्रामीण विकास योजनाओं को सफलतापूर्वक संचालित करने वाले कर्मचारियों को आज भी सेवा सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक सेवा शर्तों से वंचित रखा गया है। यह विडंबना है कि जिन कर्मचारियों के कंधों पर ग्रामीण विकास की जिम्मेदारी है, उन्हीं के भविष्य को आज तक असुरक्षित रखा गया। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि पॉलिसी तैयार करने के लिए गठित समिति 23 माह तक अपनी रिपोर्ट भी प्रस्तुत नहीं कर सकी। अब सरकार ने स्वयं 15 दिनों की समय-सीमा तय की है। इसलिए यह केवल पॉलिसी का मुद्दा नहीं, बल्कि सरकार की विश्वसनीयता, संवेदनशीलता और जवाबदेही की परीक्षा है। महासंघ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कर्मचारी अब आश्वासनों की राजनीति नहीं, शासन के आदेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यदि 15 दिनों के भीतर पॉलिसी लागू नहीं होती और लंबित मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तो यह केवल कर्मचारियों के साथ अन्याय नहीं होगा, बल्कि सरकार के सार्वजनिक वचन पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करेगा।

महासंघ का स्पष्ट संदेश

'23 माह की देरी के बाद सरकार ने 15 दिनों का वादा किया है। अब हर दिन सरकार की जवाबदेही का दिन है। 15 दिन बाद कर्मचारी आश्वासन नहीं, परिणाम पूछेंगे।' 'आंदोलन स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं। यदि सरकार अपने वचन से पीछे हटती है, तो कर्मचारियों का संघर्ष पहले से अधिक व्यापक, संगठित और निर्णायक होगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।' महासंघ ने उम्मीद जताई है कि सरकार इस अवसर को केवल घोषणा तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि समयबद्ध निर्णय लेकर 12 हजार से अधिक कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक भविष्य प्रदान करेगी। अब पूरे प्रदेश की निगाहें सरकार के अगले 15 दिनों के निर्णय पर टिकी हैं।

तेज बारिश के बीच जिला प्रशासन अलर्ट : कलेक्टर ने दिए बाढ़ एवं जलभराव वाले क्षेत्रों की सतत निगरानी के निर्देश

अधिकारियों ने किया संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण, नदी-नालों के समीप न जाने की अपील

राजनांदगांव (दावा)। जिले में लगातार हो रही तेज बारिश को देखते हुए कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने सभी संबंधित अधिकारियों को बाढ़ एवं जलभराव वाले क्षेत्रों की सतत निगरानी करने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि लगातार वर्षा के कारण नदी-नालों के तटवर्ती क्षेत्रों एवं निचले इलाकों में जलभराव की संभावना बनी हुई है। ऐसे में सभी अधिकारी पूर्ण सतर्कता के साथ क्षेत्र का नियमित निरीक्षण करते रहें तथा स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखें। कलेक्टर ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे तेज बारिश के दौरान नदी-नालों एवं तटवर्ती क्षेत्रों में अनावश्यक न जाएं तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें।

बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा नदी के तटीय क्षेत्रों में लगातार मुनादी कराकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं।

कलेक्टर के निर्देशानुसार आयुक्त नगर निगम द्वारा राजनांदगांव शहर के जलभराव संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान टिम्बर मार्केट, जिला अस्पताल परिसर, राजीव नगर, ममता नगर, डीएफओ बंगले के पीछे तथा नंदई चौक क्षेत्र का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई तथा नालों के ऊपर किए गए अवरोधक निर्माण को हटाकर पानी की निकासी सुचारू कराई गई। वर्तमान में सभी स्थानों पर स्थिति सामान्य है।

इसी प्रकार एसडीएम डोंगरगढ़ ने डोंगरगढ़ शहर के केदारबाड़ी एवं वार्ड क्रमांक 3 का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम डोंगरगांव ने ग्राम बगदई, रूदगांव एवं कोहका सहित बाढ़ संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान स्थिति सामान्य पाई गई। ग्रामीणों से जलभराव वाले क्षेत्रों के समीप अनावश्यक रूप से नहीं जाने तथा सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई। सीईओ जनपद पंचायत छुरिया द्वारा भी बाढ़ संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। वर्तमान में क्षेत्र की स्थिति सामान्य है। ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिवों को सतर्क रहने तथा गांवों में मुनादी कराकर लोगों को आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

अनमोल दावा

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"

सम्पादकीय

चीन मित्र नहीं : पाक, बांग्ला देश व म्यामार को साथ रख भारत की घेराबंदी कर रहा है

नेहरू कार्यकाल में 'हिन्दी-चीनी भाई-भाई' का नारा बहुत चला था। उसके बाद ही चीन ने भारत की पीठ में छुरा भोंका और अचानक ही हमारे देश में आक्रमण कर दिया था। तभी के चीन और आज के चीन में कोई अंतर नहीं है। चीन कई दशकों से भारत को अपना मित्र बताते हुवे अंधेरे में रखने का प्रयास कर रहा है। अरूणाचल की जमीनें हो या फिर लद्दाख के मैदान हो या फिर घाटियां हों, चीन ने हमेशा से ही मित्रता की आड़ में भारत को ठगने का काम किया है। पाकिस्तान जो हमारा स्थायी शत्रु बन चुका है, वह चीन का दाहिना हाथ है। उस कंगाल पाकिस्तान को चीन ने अरबों रूपयों का लोन देकर और वहां पूंजी निवेश करके उसे गुलाम बनाकर रखा हुआ है। ठीक, ऐसी ही रणनीति से उसने बांग्लादेश को शिकंजे में लिया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश को साथ रख वह लम्बे समय से भारत को घेरने का प्रयास कर रहा है। अपनी रणनीति के अनुसार चीन बंगाल की खाड़ियों और उसके पूर्वोत्तर राज्यों को सरलता से नुकसान पहुंचा सकता है।

सूत्रों के अनुसार सबसे बड़ी चिन्ता मोंगला पोर्ट की है। बांग्लादेश के इस पोर्ट की 110 एकड़ जमीन इकानामी जोन के नाम चीन ने सरकारी कम्पनियों को दे दी है। चकित करने वाली बात यह कि, भारत-बांग्लादेश 2015 के बीच हुवे करार के अनुसार यह जमीन भारत को देने का तय हुआ था। किन्तु, बांग्लादेश की नई सरकार ने विश्वासघात करके चीन को यह जमीन सौगात में दे दी है। उल्लेखनीय कि, बांग्लादेश स्थित मोंगला और चटगांव पोर्ट चीनियों को देने का आशय व्यापार नहीं है। चीन यहां आधुनिक केन व लाजिस्टिक डेवलपमेंट कर रहा है। वह बंगाल की खाड़ी में से गुजरने वाले प्रत्येक जहाज, सामानों तथा सैन्य सप्लाय की भी पल-पल की जानकारी हासिल कर रहा है। वह व्यापार के नाम पर भारत की जासूसी कर रहा है।

उल्लेखनीय कि, भारत ने पिछले अनेक समय से जो एक्ट ईस्ट पालिसी बनाया है और पूर्व की सुरक्षा का जो चक्रव्यूह तैयार किया है, उसे चीन व बांग्लादेश की मिलीभगत से उक्त पालिसी को बड़ा झटका लगा है। चीन के पैसों के लोभी बांग्लादेश और पाकिस्तान भारत को भारी क्षति पहुंचाने की मंशा रखे हुवे हैं। महत्वपूर्ण यह कि बांग्लादेश ने एकाएक जो जमीन चीन को सौगात में दी है, वह भारत के लिए बहुत जोखिमपूर्ण है। चाइना सिविल इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन कार्पो. नामक चीनी सरकारी कंपनी के द्वारा मोंगला पोर्ट का डेवलपमेन्ट और कन्ट्रोल का काम करता है। यह स्थान कोलकाता से मात्र 80 किलोमीटर दूर है। भारतीय सीमा के इतना नजदीक चीन का प्रवेश बहुत से समीकरण को बदल सकता है। वास्तव में, चीन यहां जासूसी सिस्टम डेवलप करना चाहता है। यही उसकी असली योजना है। मोंगला पोर्ट अब चीन का जासूसी अड्डा बन गया है।

चिन्ताजनक यह कि, मोंगला पोर्ट अब भारत के हाथ से निकल गया है। भारत का मल्टीमाडल ट्रांजिस्ट प्लान ठप हो गया है। चीन केवल एक ही पोर्ट से सन्तुष्ट नहीं है। वह भारत को चारों ओर से घेरने की तैयारी शुरू हो चुकी है। उसने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर चुका है। इसके अलावा, चीन म्यांमार-बांग्लादेश इकानामी कारिडोर की योजना में भी तेजी से सक्रिय है। वह समुद्र, नदी और मैदानी मार्ग के द्वारा भारत की पूर्व सरहदों को घेरना चाहता है। वहां वह अपने मार्ग, रडार, ब्रिज मिलेटरी इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित कर भारत को बड़ी चुनौती देने की तैयारी कर रहा है। बांग्लादेश भी अब भारत का मित्र नहीं है। उसने चीनी पैसों के आगे घुटने टेक दिए हैं।

भारत को पड़ौसी देशों पर घड़ी नीतियों पर प्राथमिकता के आधार पर पुनर्विचार करना चाहिए। बांग्लादेश ने भारत का बहुत नुकसान किया है। पिछले कुछ वर्षों से भारत की विदेश नीति और कूटनीति सटीक नहीं रही, यह उक्त घटनाओं से समझा जा सकता है। विश्व के सबसे शक्तिशाली देश रूस, अमेरिका व चीन भी भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में न देखना चाहते हैं और न ही भारत की आर्थिक सुदृढ़ता चाहते हैं। उक्त तीनों ही देश भारत बाबत अपनी विशेष रणनीति बनाए हुए हैं, ऐसे मीडिया सूत्र कहते हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी-राष्ट्र प्रथम का अमर संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आज, 6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं।

श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी। लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे। इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भी ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में आर्टिकल 370 और 35(A) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी।

डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके लिए उन्होंने मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय की सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। शिक्षाविदों के एक सम्मेलन में डॉ. मुखर्जी ने कहा था, ''शिक्षण संस्थानों को केवल बाबू या कम वेतन वाले कर्मचारी तैयार करने की फैक्ट्री समझना गलत है। हमें विद्यार्थियों को ऐसे तैयार करना होगा ताकि वे नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। हमारी स्वशासी संस्थाओं जैसे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन्स, प्रांतीय और केंद्रीय विधायिकाओं में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हो सकें। इसके साथ ही वे वित्त, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा दिखा सकें।''

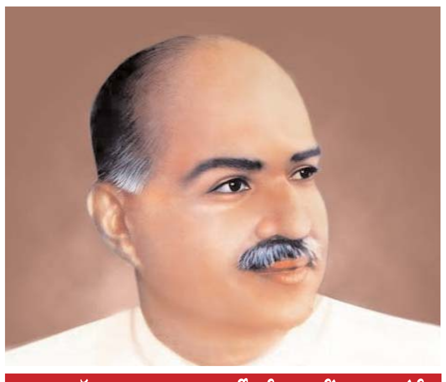

आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती

कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी की सुविधाओं में सुधार, विज्ञान में रिसर्च को बढ़ावा देना, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। उन्होंने खेलकूद, टीचर्स ट्रेनिंग और स्टूडेंट वेलफेयर जैसे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया। विद्यार्थियों में अपनी यूनिवर्सिटी के प्रति गर्व की भावना विकसित हो, इसके लिए उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था।

उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी का चुनाव चिह्न ''दीपक'' यानि मिट्टी का दीया रखा गया। एक अकेला दीया देखने में भले ही छोटा लगे, लेकिन उसमें अपने आस-पास के गहरे से गहरे अंधकार को मिटाने की अद्भुत शक्ति होती है। जनसंघ ने अपने सक्रिय काल में और उसके बाद भी बिल्कुल यही किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया जाता है, जिनका विजन बहुत विराट था। वे उद्योग को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे।

यहां मैं अपना एक निजी अनुभव भी साझा करना चाहता हूं। आत्मनिर्भर भारत के स्पष्ट विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डॉ. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी कई दशकों तक सत्ता में रहने वाले लोगों ने घोर उपेक्षा की। मुझे इस बात का संतोष है कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे सार्वजनिक जीवन के सबसे विशेष और अविस्मरणीय क्षणों में से एक बन गया।

भारत की प्राचीन परंपरा सदियों से संवाद और विचार-विमर्श का सम्मान करती आई है। डॉ. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि वे मानते थे कि देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में राष्ट्र निर्माण का दायित्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर है। उन्होंने पूरी निष्ठा और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाया। लेकिन जब उन्हें लगा कि राष्ट्रीय महत्व के कुछ प्रश्नों पर देशहित में अलग मार्ग अपनाना आवश्यक है, तो उन्होंने पूरी गरिमा के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन उस राजनीतिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए समर्पित कर दिया, जिसे वे राष्ट्र के लिए आवश्यक मानते थे।

75 वर्ष पहले पंडित नेहरू पहला संविधान संशोधन लेकर आए। इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा प्रहार माना गया। तब डॉ. मुखर्जी इसके सबसे मुखर आलोचक रहे थे। वे भली-भांति समझ चुके थे कि कांग्रेस किस हद तक जा सकती है। समय के साथ उनकी यह आशंका सही साबित हुई। जो पार्टी 75 वर्ष पहले पहला संविधान संशोधन लेकर आई थी, उसी ने 1975 में देश पर आपातकाल थोपा। इतना ही नहीं, 50 वर्ष पहले 42वां संविधान संशोधन अधिनियम लाकर एक बार फिर लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद पर कुठाराघात किया।

डॉ. मुखर्जी अपनी मानवीय संवेदनाओं और सेवाभाव के लिए भी विशेष रूप से जाने जाते हैं। वर्ष 1943 में जब बंगाल भीषण अकाल की त्रासदी से जूझ रहा था, तब उन्होंने पीड़ितों की सेवा में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि लोगों को भोजन मिल सके, जिसके लिए कई कैंटीन और रिलीफ सेंटर शुरू किए गए। एक ओर वे लोगों की पीड़ा से बहुत व्यथित थे, वहीं दूसरी ओर ब्रिटिश हुकूमत की असंवेदनशीलता से अत्यंत आक्रोशित भी थे। उन्होंने अपनी पीड़ा को व्यक्त करने के लिए पंचाशेर मन्वंतर नाम की एक किताब भी लिखी। 1942 में जब मेदिनीपुर में भीषण चक्रवात आया, तब उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों का नेतृत्व किया।

कोलकाता के एक कॉलेज में युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. मुखर्जी ने उनसे आग्रह किया था, ''आप जो भी कार्य करें, उसे पूरी गंभीरता, लगन और ईमानदारी से करें। किसी भी काम को कभी अधूरा न छोड़ें। तब तक स्वयं को संतुष्ट न मानें, जब तक आपने उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान न दे दिया हो।'' आज हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम प्रतिदिन उस भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करें, जिसकी उन्होंने परिकल्पना की थी। एक ऐसा भारत जो सशक्त हो, एकजुट हो, आत्मविश्वास से भरपूर और संवेदनशील हो। देश के युवाओं पर मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे और इस संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएंगे।

छात्र-नौजवानों का भविष्य अंधकारमय

समस्या यह धारणा है कि परीक्षा तंत्र अकुशलता और भ्रष्टाचार के ग्रस्त है। इससे छात्रों का भविष्य अंधकारमय हुआ है। परीक्षा केंद्रों को 'बंकर' में तब्दील करने से यह धारणा दूर नहीं होगी।

पेपर लीक के बाद दोबारा हुए नेशनल एलिजिबिलिटी- कम- एंट्रेस टेस्ट (स्नातक पूर्व) के लिए देश में बने 5,440 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा का ऐसा घेरा खड़ा किया गया (अथवा ऐसा करने का प्रचार किया गया), मानों उन केंद्रों को किसी बड़े आतंकवादी हमले से बचाने की चुनौती सामने हो! परीक्षा आयोजन में वायु सेना, केंद्रीय सशस्त्र बलों, डाक विभाग, केंद्र सरकार के वित्तीय सेवा विभाग, और नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर की मदद ली गई। अंत में यह खबर भी आ गई कि नीट परीक्षार्थियों को असुविधा से बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली हवाई अड्डे पर 45 मिनट तक इंतजार किया! यह दीगर बात है कि इन बड़ी सुर्खियों से पेपर लीक और परीक्षा

संचालन व्यवस्था की पोल को ढका नहीं जा सका है। छात्रों का टीवी रिपोर्टरों से यह कहना अविश्वास के गहराते माहौल को जाहिर कर देता है कि दोबारा परीक्षा में शामिल होने को लेकर वे उतने नर्वस नहीं हुए, जितनी इस आशंका से हैं कि कहीं फिर पेपर लीक ना हो जाए! वैसे दोबारा परीक्षा की दहशत से भी दर्जन भर से अधिक छात्र नर्वस हुए, जिनकी आत्महत्या की खबरें हाल में चर्चित रही हैं। ऐसी घटनाओं ने नौजवानों के एक बड़े वर्ग में आक्रोश भरा है। उसका नज़ारा फिलहाल दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन में देखने को मिल रहा है।

गुस्सा इसको लेकर है कि वर्तमान सरकार के तहत जवाबदेही की अवधारणा ही दफना दी गई है। कुछ भी हो जाए, उसके लिए कोई उत्तरदायी नहीं होता! गंभीर से गंभीर समस्या में सरकार के पास दो ही जवाब होते हैः 'सिक्युरिटी स्टेट' के रूप में अपनी क्षमता का प्रदर्शन और धुआंधार प्रचार से अपने पक्ष में नैरेटिव खड़ा करना। नीट के दोबारा आयोजन में इन दोनों उपायों का खुल कर मुजाहिरा किया गया। लेकिन इन उपायों से समस्याएं दूर नहीं होतीं। समस्या बनी यह धारणा है कि परीक्षा का सरकारी तंत्र अकुशलता और भ्रष्टाचार के ग्रस्त है। इससे करोड़ों छात्र- नौजवानों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। परीक्षा केंद्रों को 'बंकर' में तब्दील करने से यह धारणा दूर नहीं होगी।

शब्द सामर्थ्य -090

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छींक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, बक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करतानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 089 का हल

सू- दोकू क्र.090

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र[ख] सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.090 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

सामयिक चर्चा

महंगाई उमर है, जो बढ़ती है

बानी बोले - गजाधर !
आइए आज चर्चा करें
जिन्दगी की परेशानी मतलब महंगाई पर !
जीएसटी के पूरे हुए नौ साल -
टैक्स घटा, फिर भी महंगाई यथावत !
महंगाई के खिलाफ कौन करेगा अब बगावत ?
और सुनिए गजाधर !
टैक्स आधा, लूट डबल से ज्यादा
टैक्स में, राहत कीमत में आफत
कम्पनियां माला-माल
जनता हैरान, परेशान, बेहाल ।
स्लैब दो हुए, फायदा शून्य हुए।
राहत का वचन, चला मुनाफा का खेल
राहत की राह देखते देखते,
महंगाई पीड़ित हम, हो गये फेल ।
जीएसटी की भेंट कम्पनियों की पेटी में।
स्लैब बदले, हालात नहीं बदले।
ऐसे हालात पर, महंगाई पर
आप क्या कहेंगे गजाधर ?
गजाधर बोले गुस्सा कर -
देखो बानी! चाहे जीएसटी लाएं,
टैक्स घटाएं, महंगाई नहीं घटती है
महंगाई तो उमर है
जो बढ़ती और बढ़ती चलती है।
(शुक्रवार 3 जुलाई 2026)

गिरीश बख्शी

कविता

पहली बारिश की फुहार

जेठ की तपन से प्यासी धरती,
दरारों से मुंह खोल कर गुहार
अमृत वर्षा से करो नवजीवन संचार,
पहली बारिश की फुहार।
पहली बारिश की फुहार,
सुनाती है एक गीत नया,
टप-टप छन छन सर-सर,
नव ताल और सूर से सजाया ।
तन क्या मन भी झूमें
मिट्टी की खुशबू लाई है बहार,
हर चेहरे में उमड़ आई है निखार,
पहली बारिश की फुहार।
मटक मटक कर नृत्य दिखाती,
तरुणाई से इठलाती तरु सुन्दर,
अंगड़ाई लेती नवयुवना सा वृक्ष,
मिट्टी के आड़ से निहारती गगन है अंकुर।
किसलय से झरती मोती की बूंदे,
आतुर है करने धरती का नवसिंगार,
नव उम्मीद हौसला लेकर आई है,
पहली बारिश की फुहार।
बारिश की बुलबुलों में उठी नई चाहते,
भरती है हर दिल में प्यार ही प्यार,
न जाने कितने आस लिए आई है ये आषाढ़,
पहली बारिश की फुहार।

श्रीमती रेशमी साहू
राजनांदगाव (छ.ग.)

राशिफल

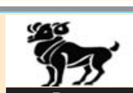

मेष
आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसले ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज किसी भी योजना को बहुत सोच-विचार करके कार्यान्वित करने से लक्ष्य हासिल होगा और मन प्रसन्न रहेगा। आज आपको अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

वृष राशि
आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। कुछ समय अपने पारिवारिक तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना आपके लिए बहुत जरूरी रहेगा जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा। सरकारी नौकरी में मनपसंद कार्यभार मिलने से आज कुछ राहत मिलेगी। आज व्यवसाय संबंधी जो भी डील मिले उसे हासिल करने में ज्यादा सोच-विचार ना करें।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। पारिवारिक मतभेद आज समाप्त हो जाएंगे , घर का माहौल शांतिपूर्ण रहेगा। आज किसी दूसरे के मामले में बिना मांगे सलाह न दें। आप अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें। आज अपनी व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय बच्चों के साथ बिताएं। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें।

कर्क
आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज आप ऑफीसियल कार्यों में ज्यादा व्यस्त रहेंगे और बेवजह की गतिविधियों में रुचि नहीं लेंगे। आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। आज इस राशि के स्टूडेंट अपने करियर को लेकर किसी अनुभवी से सलाह लेंगे, सतर्कता बरतना आपके लिए सही रहेगा।

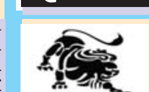

सिंह
आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। काफी दिनों से रुका हुआ काम आज पूरा हो जायेगा, जिससे मन प्रसन्न होगा। भावनात्मक रूप से आज आप खुद को बहुत मजबूत महसूस करेंगे। राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े किसी व्यक्ति की मदद आज आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने के अच्छे योग हैं।

कन्या
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। भाई- बहनों से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, तो आज दूर हो जाएगी। आज आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाये रखने की जरुरत है जिससे आपकी कार्य योजना समय से पूरी हो जाये। आज परिवार को समय देने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

तुला
आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज कार्यस्थल पर अधिक मेहनत करनी होगी, अपनी कार्य क्षमता में कमी न आने दें। आज रुका हुआ पैसा मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।आज बिना सोचे-समझे किसी पॉलिसी आदि में निवेश न करें। आज ऑफिस की कार्यप्रणाली में सकारात्मक बदलाव आएगा।

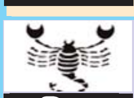

वृश्चिक
आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आज धार्मिक कार्यों में कुछ पैसे खर्च कर सकते है साथ ही किसी धार्मिक अनुष्ठान में जाने का मौका मिलेगा। आज दोस्तों के साथ ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। आज कार्यक्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य करने में बिजी रहेंगे।

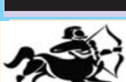

धनु
आज आपका दिन शानदार रहेगा। धनु लग्न या धनु राशि में जन्म लेने वाले लोगों आज अपने महत्वपूर्ण कार्यों की योजना बना लें, क्योंकि दोपहर बाद परिस्थितियां आपके पक्ष में बहुत अनुकूल रहेंगी। आपके काम स्वतः ही बनने शुरू हो जाएंगे। आज व्यापारिक क्षेत्र में आपको मेहनत से अधिक लाभ होगा। आज आपको धन लाभ के अनेक अवसर प्राप्त होंगे।

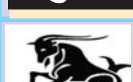

मकर
आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज आपके व्यापार में लाभ के योग हैं साथ में साइड बिजनेस शुरू करने की योजना बनाएंगे। आज अपनी कारोबारी गतिविधियों का ज्यादा प्रचार-प्रसार करने से आपके काम और नाम को पहचान मिलेगी। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी। आज किसी नए कार्य की शुरूआत करें सफलता अवश्य मिलेगी।

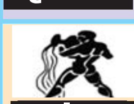

कुंभ
आज आपका दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा, अगर आज आप इंटरव्यू देने जा रहे है तो आपको सेलेक्ट कर लिया जायेगा। आज सोचे हुए काम समय पर बनते नजर आएंगे। आपको तरक्की करते देख कुछ लोगों में जलन की भावना जाग सकती है, आज इन बातों को नजर अंदाज करें और अपने स्वभाव में सहजता बनाए रखे।

मीन
आज के दिन आपको कुछ नए अनुभव होंगे। आज आपको किसी दूसरे के मामले में दखल देने से बचें। आज जमीन-जायदाद से जुड़े बिजनेस में बढ़िया लाभ होने की संभावना है अगर आज किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो किसी समझदार वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह जरूर माने , अन्यथा आपका पैसा फंस सकता है।

नादिया में आफत की बारिश : खेत में धंसी जमीन, बना गहरा रहस्यमयी गड्ढा

डोंगरगांव (दावा)। समीपस्थ ग्राम कबीरमठ नादिया में आज हुई तेज बारिश के कारण एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है। यहां मंदिर खेत के पास स्थित एक इमली के पेड़ के नीचे अचानक जमीन धंसने से एक बड़ा गड्ढा बन गया। चिंता की बात यह है कि यह गड्ढा लगातार बढ़ता जा रहा है और क्षेत्र में हो रही भारी बारिश का सारा पानी इसी गड्ढे में समा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार यह गड्ढा कितना गहरा है और इसका पानी आखिर कहाँ जा रहा है। इसका अंदाजा लगा पाना फिलहाल मुश्किल है। इस रहस्यमयी स्थिति के कारण पूरे गाँव में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। गड्ढे में लगातार कीचड़ और गंदा पानी भरता जा रहा है।

ग्रामीणों में दहशत : बारिश का सारा पानी गड्ढे में समा रहा, लगातार बढ़ रहा है आकार

मलबे के साथ लकड़ियों के लट्ठे भी समाए

प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीण तिवेंद्र और देमेंद्र साहू ने बताया कि इमली के पेड़ के पास मिट्टी धंसने से वहाँ आसपास रखे लकड़ियों के भारी लट्ठे भी खतरे की जद में आ गए हैं और कई लकड़ियाँ सीधे उस गड्ढे के भीतर समा चुकी हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण समाजसेवी हिमांचल प्रसाद तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लेते हुए वहां मौजूद लोगों को सावधान रहने और गड्ढे के पास न जाने की समझाइश दी। उन्होंने बताया कि शुरुआत में यह गड्ढा काफी छोटा था, लेकिन पानी के भारी दबाव के कारण धीरे-धीरे इसका आकार बड़ा और खतरनाक होता जा रहा है।

राजू ठाकुर के खेत की है घटना

मिली जानकारी के अनुसार, जिस जमीन पर यह हादसा हुआ है वह ग्रामीण राजू ठाकुर (पिता प्यारी ठाकुर) की है। इस घटना स्थल के दक्षिण दिशा में मंदिर खेत, पश्चिम में अमर ठाकुर का खेत, पूर्व में मेला स्थल और उत्तर दिशा में मंदिर चौकी का कच्चा मकान स्थित है। घटना की गंभीरता को देखते हुए गांव के वरिष्ठ नागरिकों को भी तत्काल सूचित कर दिया गया है। इस अनोखे और डरावने मंजर को देखने के लिए आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

प्रशासन से मुआयने और सुरक्षा की मांग

ग्रामीणों ने मीडिया के माध्यम से प्रशासन से गुहार लगाई है कि प्रशासनिक अधिकारी जल्द से जल्द मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लें, ताकि इस गड्ढे को भरने और आगे होने वाले किसी भी बड़े नुकसान को रोकने के लिए तुरंत पुख्ता कदम उठाए जा सकें। ग्रामीण ग्वालदास से मिली जानकारी के अनुसार पटवारी के माध्यम से स्थल का मुआयना कराने की सूचना मिली है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बारिश इसी तरह जारी रही, तो गड्ढे का आकार और विकराल हो सकता है। जिससे आसपास की फसलों और पेड़ों को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है।

शिक्षा ही विकास की पहली सीढ़ी है - नीलू शर्मा

मोहला (दावा)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पीएमश्री सेजेस मानपुर में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव 2026-27 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) नीलू शर्मा रहे। उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें निःशुल्क गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया।

○ जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में नवप्रवेशी बच्चों का हुआ आत्मीय स्वागत
○ पर्यटन मंडल अध्यक्ष नीलू शर्मा ने किया गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकों का वितरण, दिलाई साक्षरता की शपथ

इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि 'शिक्षा ही विकास की पहली सीढ़ी है। हमारा लक्ष्य है कि जिले का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।' उन्होंने अभिभावकों से बच्चों का नियमित रूप से विद्यालय भेजने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विद्यालयों से जुड़ने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान के अंतर्गत जन-जन में साक्षरता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उपस्थित जनसमुदाय को साक्षरता की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि ने सभी से स्वयं साक्षर बनने तथा अपने परिवार, पड़ोस और समाज के निरक्षर लोगों को भी साक्षर बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान के लिए मास्टर ट्रेनर एवं ब्लॉक नोडल मानपुर अंगद सलामे को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मोहला-मानपुर विधायक श्री इन्द्रशाह मंडावी अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भोजेश शाह मंडावी, जिला पंचायत सदस्यगण, जनपद पंचायत अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि श्री दिलीप वर्मा, सहित वरिष्ठ समाजसेवी, जिला शिक्षा अधिकारी, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्रोत समन्वयक, शिक्षक-शिक्षिकाएं, जनप्रतिनिधि, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। शाला प्रवेश उत्सव के माध्यम से नवप्रवेशी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए जिले में शत-प्रतिशत नामांकन, नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का संदेश दिया गया।

नाले पर हुए अतिक्रमण से पानी निकासी में बाधा, किसानों को हो रहा है नुकसान

डोंगरगढ़ (दावा)। शहर की सीमा से लगे वन क्षेत्र पर स्थित चांद मारी पहाड़ी जिसे अब क्रास पहाड़ी के नाम से जाना जाता है, जहां से निकलने वाले बरसाती पानी की निकासी बाधित होने के कारण किसानों को किसानी कार्य करने में अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बरसात के दिनों में पहाड़ी क्षेत्र का पानी वार्ड नंबर 3 के टिकरापारा होते हुए ग्राम अछोली की सीमा पर स्थित किसानों के खेत से लगकर बने नाला से होकर बहता है। इस नाला की अधिकांश भूमि पर अतिक्रमणकारियो द्वारा कब्जा कर लिए जाने के कारण नाला का स्वरूप ही बदल गया। और पानी की निकासी किसानों के खेत से होकर हो पा रही है। जिसके कारण किसानों का कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है। क्षेत्र के किसानों ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र की ओर से निकलने वाला पानी वर्षों से जिस नाला से होकर जाता था, अतिक्रमण की चपेट में आने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पा रही है।पानी का बहाव इतना अधिक है कि,अनेक किसानों की कृषि भूमि में घुटनों तक पानी भर गया है।किसानी कार्य प्रभावित हो रही है।

नदी-नाले उफान पर : झमाझम बारिश से लोगों को मिली राहत, कई इलाकों में जलभराव; उफनती नदी पार करते किसान परिवार

खैरागढ़ (दावा)। बीती रात से शुरू हुई झमाझम बारिश ने उमस भरी गर्मी से लोगों को बड़ी राहत दिलाई है। लगातार हो रही वर्षा से जहां आमजन ने राहत की सांस ली है, वहीं खेतों में धान की बुवाई कर रहे किसानों के चेहरे भी खिल उठे हैं। समय पर हुई अच्छी बारिश को खरीफ फसलों के लिए बेहद लाभकारी माना जा रहा है और किसानों को इससे बड़ी राहत मिली है।

हालांकि लगातार हो रही बारिश का दूसरा पहलू भी सामने आया है। जिले के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। सलोनी, कातलवाही सहित कई गांवों की गलियों में पानी भर गया, जिससे लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई।

शाटकट के चक्कर में जान जोखिम में डालकर उफनती नदी से ट्रेक्टर पार कर रहा किसान लगातार वर्षा के कारण जिले के कई नदी-नाले उफान पर हैं और जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसी बीच धनगांव से सामने आई एक तस्वीर ने बड़ी लापरवाही को उजागर कर दिया। यहां धान की बुवाई कर खेत से लौट रहा एक किसान परिवार उफनती नदी को ट्रैक्टर के साथ पार करता नजर आया। हैरानी की बात यह रही कि घटनास्थल से महज करीब दो किलोमीटर की दूरी पर सुरक्षित आवागमन के लिए पुल मौजूद है, लेकिन शॉर्टकट अपनाने के चक्कर में परिवार ने अपनी और साथ मौजूद लोगों की जान जोखिम में डाल दी। तेज बहाव के बीच नदी पार करने की यह घटना किसी बड़े हादसे में भी बदल सकती थी।

मौसम विभाग ने जिले में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया

लगातार बारिश और नदी-नालों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि पुल-पुलियों के ऊपर पानी होने की स्थिति में किसी भी हाल में नदी-नाले पार करने का प्रयास न करें। साथ ही आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें और मौसम विभाग व प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। बारिश ने जहां एक ओर गर्मी से राहत और किसानों के लिए उम्मीद की नई किरण दी है वहीं जलभराव और उफनते नदी-नालों ने सावधानी बरतने की आवश्यकता भी बढ़ा दी है। प्रशासन का मानना है कि थोड़ी सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है, इसलिए लोगों को सुरक्षित मार्ग का ही उपयोग करना चाहिए और किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने से बचना चाहिए।

70 साल की खेती पर सवाल, 25 एकड़ सरकारी भूमि विवाद ने पकड़ा तूल

मोहला (दावा)। मानपुर-खड़गांव थाना क्षेत्र के ग्राम मुरारगोटा में लगभग 25 एकड़ शासकीय भूमि को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। शिकायतकर्ता परिवार का दावा है कि उनके पूर्वज वर्ष 1958-59 से इस भूमि पर खेती करते आ रहे हैं, लेकिन राजस्व अभिलेखों में कथित हेरफेर कर एक अन्य व्यक्ति का नाम दर्ज कर दिया गया और बाद में भूमि का विक्रय भी कर दिया गया। परिवार का कहना है कि वर्ष 2007 से लगातार शिकायतें, ग्रामसभा के प्रस्ताव और नाम विलोपन की मांग के बावजूद मामले का अंतिम निराकरण नहीं हो सका है। शिकायतकर्ताओं ने राजस्व रिकॉर्ड में अनियमितता की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और संबंधित राजस्व विभाग का आधिकारिक पक्ष अभी सामने आना बाकी है। मामले की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि राजस्व अभिलेखों में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है या नहीं।

शिक्षक मक्खन साहू की अनूठी पहल- पिता की स्मृति और पुत्री के जन्मदिन को बनाया पर्यावरण संरक्षण का माध्यम

मोहला (दावा)। शिक्षक मक्खन साहू ने अपने स्वर्गीय पिता रेखलाल साहू की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से जुलाई 2020 से एक प्रेरणादायी पौधरोपण अभियान प्रारंभ किया है। अपने पिता के 77 वर्ष के जीवनकाल के सम्मान में वे प्रतिवर्ष 77 पौधे रोपित करने का संकल्प निभा रहे हैं। इस अभियान की विशेषता यह है कि पौधरोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण और संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। इसी कड़ी में जून 2021 से अपनी पुत्री मेघा साहू के जन्मदिन को भी पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए हर वर्ष पौधरोपण किया जा रहा है। जन्मदिन के अवसर पर पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया जाता है तथा समाज को यह संदेश दिया जाता है कि पारिवारिक खुशियों को प्रकृति के संरक्षण से जोड़कर आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित और स्वच्छ वातावरण का निर्माण किया जा सकता है। शिक्षक मक्खन साहू का मानना है कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के विशेष अवसरों जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ अथवा पुण्यतिथि पर पौधरोपण कर उनकी देखभाल का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा जनआंदोलन खड़ा किया जा सकता है। यह पहल क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। स्थानीय नागरिकों ने शिक्षक मक्खन साहू की इस अनूठी सोच और निरंतर प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया है।

आज डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी की जयंती, डोंगरगढ़ भाजपा मनाएगी गौरव दिवस

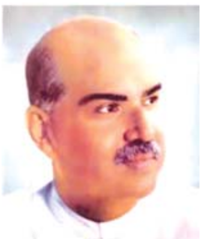

डोंगरगढ़ (दावा)। आजाद भारत के प्रथम बलिदानी और प्रखर राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी की जयंती आज 6 जुलाई (सोमवार) को भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल डोंगरगढ़ द्वारा गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। इस गरिमामय कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी भारती विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

शहर मंडल अध्यक्ष जसमीत सिंह बन्नोआना, महामंत्री विनीत यादव व विनय बंसल, और सोशल मीडिया प्रभारी शुभम परिहार ने संयुक्त रूप से बताया कि जयंती समारोह का आयोजन शहर के नया रेस्ट हाउस में किया गया है। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सुबह 11:30 बजे होगा। इस अवसर पर डॉ. मुखर्जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद किया जाएगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा शहर मंडल डोंगरगढ़ के सभी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद व पूर्व पार्षद गण, मंडल पदाधिकारी, सभी मोर्चों के अध्यक्ष व महामंत्री, प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक, सह-सोजक, बूथ अध्यक्ष, सचिव समेत बड़ी संख्या में वरिष्ठ कार्यकर्ता और मातृशक्ति उपस्थित रहेंगे। मंडल पदाधिकारियों ने सभी कार्यकर्ताओं से समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को गरिमामय बनाने की अपील की है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा कुमरदा मंडल की बैठक संपन्न, मोदी-साय सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प

कुमरदा (दावा)। भारतीय जनता पार्टी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा कुमरदा मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक ग्राम आमगांव के कर्मा भवन में आयोजित की गई। इस बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के बीच विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता हिरदे राम देवांगन, अनिरुद्ध चंद्राकर, कंशु राम यादव, गोपाल साहू और श्याम बघेल उपस्थित रहे।

योजनाओं की जानकारी देकर समाज को संगठित करें कार्यकर्ता-किशुन साहू

ओबीसी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष किशुन साहू ने बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय होकर अन्य पिछड़ा वर्ग की बैठकें आयोजित करें। केंद्र की माननीय नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य की माननीय विष्णु देव साय सरकार द्वारा चलाई जा रही जनहितकारी और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाएं। उन्होंने आह्वान किया कि सभी को एकजुट और संगठित होकर काम करना होगा, ताकि हम हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकें।

वरिष्ठ नेताओं ने भी किया मार्गदर्शन

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता श्री हिरदे राम देवांगन, अनिरुद्ध चंद्राकर और कंसू राम यादव ने भी उपस्थित कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने संगठन की रीति-नीति और बूथ स्तर पर ओबीसी वर्ग को मजबूत करने की रणनीति पर प्रकाश डाला। बैठक का संचालन और व्यवस्था सम्हालने में मोर्चा के महामंत्री डोमनलाल, लीलेश देवांगन सहित मंडल कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों और सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

शाला प्रबंधन समिति के रामेश्वरी मंडावी बनी अध्यक्ष

कल्लूबंजारी (दावा)। गत दिनों शासकीय प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला कल्लूबंजारी में पढ़ने वाले छात्रों के पालकों के उपस्थिति में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कल्लूबंजारी के अध्यक्ष निर्वाचन करने के लिए पालकों का बैठक सम्पन्न हुआ जिसमें सक्रिय महिला पालक रामेश्वरी मंडावी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाया गया।

इस अवसर पर नवाचारी शिक्षक दिनेश कुमार कुरेटी ने शाला प्रबंधन एवं विकास समिति गठन के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पालक, बालक एवं शिक्षक मिलकर कार्ययोजना बनाकर जमीनी स्तर पर काम करेंगे तभी बच्चों को शैक्षणिक गतिविधियों में होने वाले कठिनाइयों को दूर किया जा सकता है। बच्चों के नियमित उपस्थिति के लिए पालकों का शिक्षा के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। शासन के निर्देशानुसार शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष बनने के लिए विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों का पालक होना अनिवार्य है। विद्यालय के गतिविधियों के सफल संचालन के लिए शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष, समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सकारात्मक सहभागिता आवश्यक है। शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष के लिए रामेश्वरी मंडावी के नाम का प्रस्ताव ग्रामपटेल राजकुमार पटेल एवं बाबूलाल पटेल ने किया जिसका उपस्थित समस्त पालकों ने समर्थन किया। इस तरह से रामेश्वरी मंडावी सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सरपंच चित्रा कोर्राम, ग्रामपटेल राजकुमार पटेल, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष रामेश्वरी मंडावी, पूर्व अध्यक्ष टोमन ठाकुर, प्रधानपाठक द्वय उमेन्द सिंह मंडावी एवं जाकेश कुमार साहू ने अपना विचार व्यक्त कर बच्चों एवं विद्यालय के सर्वांगीण के लिए पालकों से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा की। उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पालको एवं शिक्षकों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामेश्वरी मंडावी का तिलक लगाकर सम्मान किया तथा बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर दिलहरण पटेल, मोतीराम साहू, नंदकुमार पटेल, लक्ष्मीबाई, रामाधीन कोमरे, कृष्णालाल चन्द्रवंशी, भारत लाल पटेल, शिक्षकगण तिलकराम बढ़ई, शोभराय कार्ते, अखिलेश्वर सिंह ठाकुर, सुषमा नेताम, गीता कन्नौजे, चुम्मन लाल भुआर्य, जगन्नाथ नेताम एवं चन्द्रकुमार उइके आदि सहित पालकगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राजस्व प्रकरणों का करें समयबद्ध निराकरण-कलेक्टर श्रीमती प्रजापति

कलेक्टर ने किया तहसील कार्यालय का निरीक्षण, निर्माण कार्यों का किया अवलोकन

मोहला (दावा)। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आज सुबह मोहला तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण कर राजस्व प्रकरणों, अभिलेखों के संधारण, कार्यालय व्यवस्था एवं आम नागरिकों को प्रदान की जा रही सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में दर्ज विभिन्न राजस्व प्रकरणों की जानकारी रीडर से प्राप्त की तथा मौजूद तहसीलदार व नायब तहसीलदार को सभी लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरणों में अनावश्यक रूप से अधिक पेशी न लगाई जाएं तथा कम से कम पेशी में प्रकरणों का निराकरण किया जाए, जिससे आम नागरिकों और किसानों को बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने विशेष रूप से लंबित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं अन्य राजस्व मामलों के समय सीमा में निपटारे के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ई-ऑफिस के कार्यों,बंदोबस्त त्रुटि से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की और निर्देशित किया कि ऐसे मामलों का दो से तीन पेशियों के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सीमांकन, बंटांकन एवं अन्य राजस्व प्रकरणों का उचित दस्तावेजों के आधार पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने तहसील कार्यालय के कानूनगो शाखा एवं रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण कर अभिलेखों के रख-रखाव और संधारण का अवलोकन किया। उन्होंने नक्शा-खसरा सहित अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों को सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न प्रकरणों की स्वयं जांच कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मोहला तहसील भवन में चल रहे मरम्मत कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान एसडीएम मोहला श्री हेमेंद्र भुआर्य सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

निर्माण कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन नवीन कलेक्ट्रेट भवन का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने मोहला से मानपुर तक सड़क निर्माण कार्यों की भी प्रगति जानी। उन्होंने स?क निर्माण के कार्यों को गुणवत्ता, निर्धारित समय-सीमा तथा गति बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के निर्माणाधीन भवनों का भी निरीक्षण किया तथा विभागों को आबंटित भूमि का स्थल पर जाकर अवलोकन किया।

पहला कॉलम...

बाली में भारतीय कर सकेंगे यूपीआई से भुगतान, पीएम मोदी का इंडोनेशिया दौरा अहम

नई दिल्ली। सोमवार से शुरू हो रही पीएम नरेन्द्र मोदी की तीन दिवसीय इंडोनेशिया यात्रा से भारत और इंडोनेशिया के द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को एक नई दिशा प्रदान करेगी। इस यात्रा के दौरान दोनों देश डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, भुगतान प्रणाली, रक्षा सहयोग को बढ़ाकर अपनी साझेदारी को और गहरा करेंगे।

इस यात्रा के दौरान भारत के यूपीआई और इंडोनेशिया के क्यूरिस (क्यूआरआइएस) के बीच डिजिटल भुगतान लिंकेज का समझौता होगा। इससे बाली और अन्य इंडोनेशियाई पर्यटन स्थल पर जाने वाले लाखों भारतीय पर्यटकों के लिए भुगतान बेहद आसान, तेज और सस्ता हो जाएगा। इंडोनेशिया से कारोबार करने वाले भारतीय व्यवसायियों को भी लाभ होगा।

इंस्टाग्राम पर अश्लील विज्ञापनों को लेकर सरकार सख्त, मेटा को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। टेक दिग्गज मेटा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को लेकर भारत सरकार ने अपना रुख बेहद सख्त कर लिया है। वॉट्सऐप के बाद अब सरकार ने फोटो और वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर कड़ी कार्रवाई की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे मेटा के प्रतिनिधियों को तुरंत तलब करें। सरकार का यह सख्त कदम इंस्टाग्राम पर दिखाए जा रहे उन पेड विज्ञापनों को लेकर उठाया गया है, जिनमें कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री को बढ़ावा दिया जा रहा था। केंद्र सरकार ने मेटा को नोटिस जारी कर ऐसे सभी विज्ञापनों को तुरंत प्लेटफॉर्म से हटाने का सख्त आदेश दिया है। इस हफ्ते यह दूसरा मौका है जब सरकार ने मेटा के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई की है। दरअसल, बीबीसी द्वारा की गई एक खोजी रिपोर्ट में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि इंस्टाग्राम ने भारत में बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट को बढ़ावा देने वाले पेड विज्ञापन दिखाए। इन विज्ञापनों पर क्लिक करने के बाद यूजर्स को सीधे टेलीग्राम चैनलों पर रीडायरेक्ट किया जाता था, जहां कथित तौर पर इस तरह का गैर-कानूनी और आपत्तिजनक कंटेंट महज 99 रुपये में बेचा जा रहा था। रिपोर्ट में बताया गया है कि विज्ञापनों में संवेदनशील और आपत्तिजनक शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया गया था।

खामेनेई के जनाजे के लिए खोदी जा रहीं 3000 कब्रें

तेहरान। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के जनाजे को लेकर एक रिपोर्ट ने दुनिया का ध्यान खींचा। दरअसल, दावा किया गया है कि लाखों लोगों की संभावित भीड़ के बीच ईरान ने 3000 कब्रों तक की तैयारी की गई है। हालांकि ईरान सरकार ने इसकी पुष्टि नहीं की है। आइए जानते हैं कि आखिर इस रिपोर्ट में क्या कहा गया है और जनाजे को लेकर ईरान किस तरह की तैयारी कर रहा है? ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के जनाजे को लेकर एक चौंकाने वाला दावा सामने आया है। जर्मनी के अखबार डाई वेल्ट की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरानी प्रशासन ने जनाजे के दौरान संभावित बड़े हादसे से निपटने के लिए विशेष आपातकालीन योजना तैयार की है। रिपोर्ट के मुताबिक, लाखों लोगों की संभावित भीड़, भीषण गर्मी और सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए 1,500 से 3,000 लोगों की मौत तक की सबसे खराब स्थिति का आकलन किया गया है।

डेब्यू मैच के बाद वैभव सूर्यवंशी का भावुक संदेश, फैंस को कहा शुक्रिया

नई दिल्ली। पंद्रह साल के होनहार खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20आई के दौरान भारत के सबसे कम उम्र के इंटरनेशनल क्रिकेट डेब्यूटेंट बनकर इतिहास रच दिया, ने अपने सभी 'शुभचिंतको' को प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद दिया है और देश के लिए 'हर बार' अच्छा करने की कसम खाई है। सूर्यवंशी सभी फॉर्मेट में भारत को रिप्रेजेंट करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए, साथ ही टी20आई इतिहास में टेस्ट खेलने वाले देश के सबसे कम उम्र के डेब्यूटेंट भी बन गए। सूर्यवंशी, जिन्हें शनिवार को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे दूसरे टी20आई के लिए भारत की प्लेइंग 11 में शामिल किया गया था, 15 साल और 99 दिन की उम्र में भारत के सबसे कम उम्र के डेब्यूटेंट बन गए। उन्होंने अब सचिन तेंदुलकर (16 साल 205 दिन में टेस्ट डेब्यू; 16 साल 238 दिन में ODI डेब्यू) और पीयूष चावला (17 साल 75 दिन में टेस्ट डेब्यू) का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

इंडिया ए ने दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में श्रीलंका ए को हराया

टीम इंडिया की जीत में चमके बरार और सुदर्शन

नई दिल्ली। इंडिया ए वर्सेस श्रीलंका ए के बीच दो अनौपचारिक टेस्ट मैच की सीरीज का दूसरा और आखिरी मुकाबला गॉल में खेला गया। इस मैच में टीम इंडिया 10 विकेट से जीत दर्ज करने में कामयाब रही। इसके साथ ही सीरीज भी उन्होंने 1-0 से अपने नाम कर लिया। मैच में 543 रनों पर अपनी पहली पारी घोषित कर टीम इंडिया ने मेजबानों पर 177 रनों की लीड हासिल की।

सारांश जैन 70 रन बनाकर नाबाद रहे। दूसरी पारी में श्रीलंका ने 209 रन बनाकर टीम इंडिया के सामने 33 रन का टारगेट रखा, जिसे टीम इंडिया ने आसानी से हासिल कर लिया। दूसरी पारी में साई सुदर्शन 25 रन बनाकर नाबाद रहे।

तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने श्रीलंका पर 175 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। सारांश जैन इस मैच में 70 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे दिन के अंत तक भारत का स्कोर 8 विकेट के नुकसान पर 541 रन था। इस स्कोर तक पहुंचाने में साई सुदर्शन का अहम रोल रहा है। उन्होंने बैक टू बैक दूसरे टेस्ट में शतक जड़ते हुए 168 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं देवदत्त पडिक्कल 94 रन बनाकर आउट हुए। वह शतक लगाने से चूक गए। भारत के लिए इनके अलावा कप्तान ध्रुव जुरेल ने भी शतक जड़ते हुए 53 रनों की पारी खेली। इसके बाद गुरनूर बरार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका को दूसरी पारी में 209 रन पर ऑलआउट कर दिया। गुरनूर बरार ने दूसरी पारी में 6 विकेट अपने नाम किए। वहीं पहली पारी में उन्होंने 4 विकेट निकाले थे। इस तरह उन्होंने इस मैच में कुल 10 विकेट अपने नाम किए।

बात श्रीलंकाई पारी की की करें तो, भारत ए ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया था।

बाबर फिर बने पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान

नई दिल्ली। पीसीबी ने पाकिस्तान की टेस्ट टीम में बड़ा फेरबदल किया है। बोर्ड ने टेस्ट कप्तान शान मसूद को उनके पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह बाबर आजम को एक बार फिर टीम की कमान सौंपी गई है। यह फैसला वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम के ऐलान के दौरान लिया गया। इसका मतलब है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के दौरान बाबर ही टेस्ट टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे।

शान मसूद की कप्तानी का सफर बेहद निराशाजनक रहा। शान मसूद लगभग तीन साल पहले कप्तान बने थे। उन्होंने 16 टेस्ट मैचों में टीम की अगुवाई की, जिनमें से पाकिस्तान को 12 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। टेस्ट इतिहास में कोई भी कप्तान अपने पहले 16 मैचों में इतने मुकाबले नहीं हारा है। पाकिस्तान के लिए उनसे ज्यादा मैच सिर्फ मिस्बाह-उल-हक (19 हार) हारे हैं, लेकिन उन्होंने 56 मैचों में कप्तानी की थी। इसके अलावा पाकिस्तान की टीम अपने पिछले 7 टेस्ट मैच लगातार हार चुकी है। मसूद के कप्तान बनते ही पाकिस्तानी टीम को ऑस्ट्रेलिया से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम एक्सपोजर टूर के लिए बेल्जियम रवाना

बेंगलुरु। 24 सदस्यों वाली भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बेल्जियम के अपने एक्सपोजर टूर के लिए रवाना हुई। इस टूर के मुकाबले 7 से 17 जुलाई तक खेले जाने हैं।

नए हेड कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में भारतीय जूनियर टीम एशिया कप और अन्य अहम इंटरनेशनल टूर्नामेंटों की तैयारियों के तहत यूरोप दौरे पर छह मैच खेलेगी। इस दौरे में भारत ऑस्ट्रिया और बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेगा, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड्स के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगा। इनमें से पांच मुकाबले बेल्जियम के वावरे स्थित बेल्फियस हॉकी एरिना में आयोजित होंगे, जबकि अंतिम मैच एंटवर्प के हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेला जाएगा।

यह यूरोप दौरा कोच फ्रेडरिक सोयेज के नेतृत्व में भारतीय जूनियर टीम का पहला विदेशी दौरा होगा। इसके साथ ही, यह इस साल के अंत में होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दौरे के दौरान टीम को मजबूत यूरोपीय देशों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा, जिससे खिलाड़ियों को इंटरनेशनल स्तर का अनुभव हासिल होगा।

न्यूजीलैंड की पूर्व कप्तान सोफी डिवाइन ने संन्यास के बाद साझा किया भावुक संदेश

नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के बाद न्यूजीलैंड की पूर्व कप्तान सोफी डिवाइन ने संन्यास लेने पर एक भावुक संदेश के साथ अपने 20 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर पर विचार व्यक्त किया है। अनुभवी ऑलराउंडर ने टीम के साथियों, सहायक कर्मचारियों, प्रशंसकों और अपने परिवार को धन्यवाद दिया, साथ ही उन्होंने न्यूजीलैंड के साथ दो दशकों तक चले अपने सफर को याद किया। इनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच न्यूजीलैंड की टूर्नामेंट में हार के साथ समाप्त हुआ।

व्हाइट फर्न्स के प्रतियोगिता से बाहर होने के बाद लंबे समय से अपनी साथी खिलाड़ियों सूजी बेट्स और ली ताहुहू के साथ संन्यास लेने वाली डिवाइन ने स्वीकार किया कि उस क्षण की महत्ता अभी-अभी समझ में आने लगी है। सोफी डिवाइन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी टीम के साथियों के साथ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, खैरज मुझे ठीक से पता नहीं कि पिछले बीस साल कहां चले गए, लेकिन अपने दो बेहतरीन साथियों के साथ आखिरी बार मैदान से बाहर निकलना अंतरराष्ट्रीय खेल को एक बहुत ही उपयुक्त विदाई है।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी इस यात्रा में भूमिका निभाने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दे पाऊंगी, क्योंकि ऐसा करने पर मैं पूरे न्यूजीलैंड के नाम गिना दूंगी, लेकिन कोचों, फिजियोथेरेपिस्टों, प्रशिक्षकों, अधिकारियों, प्रशंसकों और मीडिया को धन्यवाद। मेरा समर्थन करने, मुझे प्रेरित करने और सबसे महत्वपूर्ण बात, मेरी हरकतों को सहन करने के लिए धन्यवाद। उन्होंने आगे कहा, मेरी व्हाइट फर्न टीम की साथियों, आप ही वह कारण हैं जिसकी वजह से मैंने यह खेल खेलाज हमारे देश का विश्व मंच पर प्रतिनिधित्व करने के लिए, कंधे से कंधा मिलाकरज इससे ज्यादा गर्व की बात और कुछ नहीं है।

महिला टी20 विश्व कप : 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रेस में मंधाना-पेरी समेत चार दिग्गज

दुबई। ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी, इंग्लैंड की ओपनर डैनी व्याट-हॉज, भारत की स्मृति मंधाना और साउथ अफ्रीका की ऑलराउंडर मारिजाने कैप को पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है।

अपनी-अपनी टीम की ओर से खेलते हुए इन चारों खिलाड़ियों का प्रदर्शन टूर्नामेंट में शानदार रहा है। एलिसा पेरी और डैनी व्याट अपने शानदार खेल के बूते ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को फाइनल में पहुंचाने में सफल रही हैं। वहीं, मंधाना के दमदार प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम ग्रुप स्टेज में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई। कैप ने बढ़िया प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।एलिस पेरी (ऑस्ट्रेलिया)- एलिस पेरी ने एक बार फिर आईसीसी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक छह मैचों में 46.25 की औसत से 185 रन बनाए हैं और गेंदबाजी में चार विकेट भी निकाले हैं। ऑस्ट्रेलिया के फाइनल तक अजेय सफर के दौरान पेरी को तीन बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया है।उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में दो विकेट लेने के साथ 19 रनों की नाबाद पारी खेली। इसके बाद पाकिस्तान और भारत के खिलाफ लगातार दो अर्धशतक जड़कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई और ऑस्ट्रेलिया को बिना कोई मैच गंवाए फाइनल में पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

डैनी व्याट-हॉज (इंग्लैंड)- डैनी व्याट महिला टी20 विश्व कप 2026 में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज रही हैं। वह 6 मुकाबलों में 294 रन बना चुकी हैं। व्याट इस विश्व कप में एक शतक और दो अर्धशतक लगा चुकी हैं। उन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन के बूते इंग्लैंड को फाइनल का टिकट दिलाने में महत्वपूर्ण रोल अदा किया है। व्याट का टूर्नामेंट में स्ट्राइक रेट 152.33 का रहा है।

ज्योतिष चमत्कार (6 जुलाई 2026)

कल्याण				
सोम	2	3	4	5
	29	36	40	56
मंगल	3	4	5	6
	37	48	57	65
बुध	4	5	6	7
	46	58	64	71
गुरू	5	6	7	8
	59	63	73	85
शुक्र	6	7	8	9
	62	74	84	92
शनि	7	8	9	0
	75	82	93	04
अंकों का बादशाह				0
सप्ताह का वरदान				9
सप्ताह में अचूक	1	4	5	6
स्पेशल	18	47	53	62

राजधानी नाईट				
सोम	7	8	9	0
	76	89	96	09
मंगल	8	9	0	1
	87	97	08	12
बुध	9	0	1	2
	98	07	13	25
गुरू	0	1	2	3
	06	14	24	32
शुक्र	1	2	3	4
	15	23	34	45
अंकों का बादशाह				1
सप्ताह का वरदान				2
सप्ताह में अचूक	3	6	7	8
स्पेशल	30	69	75	84

सप्ताह में देखें

1	12	13	14	15
2	21	23	24	25
3	31	32	34	35
4	41	42	43	45
5	51	52	53	54
6	67	68	69	60
7	76	78	79	70
8	86	87	89	80
9	96	97	98	90
0	06	07	08	09

सप्ताह में देखें

1	17	18	19	10
2	26	28	29	20
3	36	37	39	30
4	46	47	48	40
5	56	57	58	59
6	62	63	64	65
7	71	73	74	75
8	81	82	84	85
9	91	92	93	95
0	01	02	03	04

अंक आपके पत्ते हमारे

1	2	3	4	5	6	7	8	9	0
128	138	148	149	140	123	160	134	234	127
245	129	238	130	230	150	250	233	379	136
489	237	490	239	357	259	278	279	225	280
290	570	670	680	456	349	458	260	270	479
344	228	355	789	339	790	449	125	126	677

बीते चार सप्ताह के रिकार्ड

कल्याण					
92	62	95	30	78	17
50	23	02	13	96	92
08	34	57	21	93	97
34	06	94	06	03	49

राजधानी				
56	67	76	69	83
15	50	42	41	90
21	04	33	55	19
95	04	47	34	22

जनवरी 2025 से जुलाई 2026 तक के रूके जोड़भाव-पेनल

कल्याण 2024- 22-86
2025- 22-86
1-245-227-777 2-499-688-444-3-166-4-400-888 5-122 -799-555, 6-466-222 7- 999 8-440-666 9-333 0-118-668-000

राजधानी नाईट 2024- -88
2025- -24-49-88-99
1-146-777, 2-660-444,3-166 -111, 4-112-888, 5-366-447-555 6-222, 7-700-999, 8-288-666, 9-117-577- 333, 0-550-668-000

चेतावनी :- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

पंडवानी गायिका तीजन बाई पंचतत्व में विलीन :....

संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।' छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि पंडवानी के जरिए उन्होंने देश-विदेश में राज्य का नाम रोशन किया। तीजन बाई केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत की सबसे सशक्त पहचान थीं। उन्होंने अपना पूरा जीवन पंडवानी कला के संरक्षण और नई पीढ़ी तक उसकी विरासत पहुंचाने में समर्पित कर दिया। उनके निधन पर मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधियों, साहित्यकारों, कलाकारों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के सांस्कृतिक जगत की अपूरणीय क्षति बताया। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की पहचान और विश्वविख्यात पंडवानी गायिका पद्मविभूषण तीजन बाई की तबीयत खराब होने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गंभीर चिंता जताई थी। उन्होंने स्वयं उनके परिजनों से फोन पर बातचीत कर स्वास्थ्य की जानकारी ली थी और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इलाज के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो तथा हर जरूरी सुविधा तत्काल उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा था कि रायपुर एम्स में भर्ती तीजन बाई के उपचार की लगातार निगरानी की जाए। बेहतर चिकित्सकीय देखभाल, विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि उन्हें सर्वोत्तम इलाज मिल सके।

किसानों को नहीं होगी डीएपी की कमी, छत्तीसगढ़....

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के किसानों को अभी तक 7 लाख 27 हजार 833 मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया जा चुका है। यह वितरण किसानों की वास्तविक मांग के अनुरूप लगातार किया जा रहा है। साथ ही प्रदेश में 5 लाख 88 हजार 673 मीट्रिक टन उर्वरकों का शेष भण्डार उपलब्ध है, जिससे आगामी दिनों में भी किसानों को निर्बाध रूप से खाद उपलब्ध कराई जा सकेगी। यदि गत वर्ष की समान अवधि से तुलना करें तो इस वर्ष की उपलब्धियां और भी उत्साहजनक हैं। 30 जून 2025 तक प्रदेश में 12 लाख 25 हजार 929 मीट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण हुआ था, जबकि इस वर्ष यह ब?कर 13 लाख 16 हजार 506 मीट्रिक टन हो गया है। अर्थात लगभग 90 हजार 577 मीट्रिक टन अधिक खाद का भण्डारण सुनिश्चित किया गया है। इसी प्रकार, गत वर्ष 30 जून तक 7 लाख 66 हजार 161 मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया गया था। इस वर्ष अब तक लगभग 7.28 लाख मीट्रिक टन खाद किसानों तक पहुंच चुकी है। प्रदेश में वर्तमान में उपलब्ध 5.88 लाख मीट्रिक टन से अधिक का शेष भण्डार आगामी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और यह सरकार की दूरदर्शी योजना एवं मजबूत आपूर्ति प्रबंधन का परिचायक है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के किसी भी किसान को खाद के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। यही

प्रथम पृष्ठ का शेष....

कारण है कि राज्य सरकार खाद की उपलब्धता, भण्डारण, परिवहन एवं वितरण की सतत निगरानी कर रही है, जिससे खरीफ सीजन में किसानों को समय पर आवश्यक उर्वरक उपलब्ध हो रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता टी20 वर्ल्ड...

और उसे उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 150 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 151 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 17.1 ओवर में 3 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले साल 2010, 2012, 2014, 2018, 2020, 2023 में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था जबकि इंग्लैंड की टीम ने एक बार चैंपियन बनने की उपलब्धि साल 2009 में हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम की ओपनर जॉर्जिया वोल 9 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठीं। फीबी लिचफील्ड ने 35 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली और आउट हो गईं, लेकिन उन्होंने दूसरे विकेट के लिए बेथ मूनी के साथ मिलकर 67 गेंदों पर 100 रन की साझेदारी की। बेथ मूनी ने अपना अर्धशतक 38 गेंदों पर पूरा किया और उन्होंने 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली।

बांकीपुर से चुनाव लड़ेंगे प्रशांत किशोर,....

इतना तय है कि इससे प्रदेश की राजनीति की दिशा जरूर प्रभावित होगी। उन्होंने कहा, मेरी जीत या हार यह भी तय करेगी कि लोग सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार के कामकाज से सहमत हैं या असहमत। महागठबंधन के समर्थन से जुड़े सवाल पर पहले उन्होंने सीधे जवाब देने से परहेज किया। हालांकि, दोबारा पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं सिर्फ महागठबंधन ही नहीं, भाजपा से भी समर्थन मांग रहा हूं। मेरा मानना है कि बांकीपुर से सबसे बेहतर प्रत्याशी चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे।

ईरान में आयतुल्ला अली खामेनेई की नमाज-ए-जनाजा...

कार्यक्रम कुम में आयोजित होंगे। आठ जुलाई को इराक के बगदाद, नजफ और कर्बला में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जहां धार्मिक और राजनीतिक नेता पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद उसे प्रमुख शिया धार्मिक स्थलों पर ले जाया जायेगा। आयतुल्ला खामेनेई के सुपुर्द-ए-खाक का कार्यक्रम नौ जुलाई को उत्तर-पूर्वी शहर मशहद स्थित इमाम अली रज़ा दरगाह में होगा, जिसे शिया समुदाय के सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है।

ई-20 पेट्रोल पर फैली अफवाह निकली फर्जी?...

कहा कि ई-20 ईंधन को बाजार में लाने से पहले बड़े स्तर पर वैज्ञानिक परीक्षण किए गए थे। लैब टेस्ट, वाहन परीक्षण और फील्ड ट्रायल के बाद ही इसे मंजूरी दी गई। सरकार का कहना है कि यह पूरी तरह वैज्ञानिक मानकों पर आधारित ईंधन है। मंत्रालय के अनुसार, भारत की ऑटोमोबाइल कंपनियां पहले से ही तय इथेनॉल ब्लेंडिंग मानकों के अनुरूप वाहन तैयार कर रही हैं। अगर कोई वाहन निर्माता ई-20 ईंधन के इस्तेमाल की अनुमति देता है, तो केवल ई-20 पेट्रोल भरवाने से वाहन की वारंटी खत्म नहीं होती। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि इथेनॉल ब्लेंडिंग कोई नया प्रयोग नहीं है। ब्राजील समेत कई देशों में यह मॉडल वर्षों से सफलतापूर्वक अपनाया जा रहा है। भारत भी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार इस कार्यक्रम को लागू कर रहा है। 'इंडियन ऑयल रिसर्च एंड डेवलपमेंट' और 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम' जैसी संस्थाओं ने पुराने और नए दोनों तरह के वाहनों पर व्यापक परीक्षण किए हैं। इन परीक्षणों में इंजन की मजबूती या प्रदर्शन पर कोई बड़ी नकारात्मक समस्या सामने नहीं आई। सरकार ने यह भी बताया कि 1 अप्रैल 2025 से देशभर में श्20 पेट्रोल का व्यापक स्तर पर इस्तेमाल शुरू हो चुका है। लाखों वाहन इस ईंधन पर चल रहे हैं। अब तक ईंधन की वजह से इंजन खराब होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है। केंद्र सरकार का कहना है कि ई-20 पेट्रोल भारत की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऐसे में ई-20 पेट्रोल को लेकर फैलाए जा रहे भ्रामक दावों से बचना चाहिए और केवल आधिकारिक स्रोतों से मिली जानकारी पर ही विश्वास करना चाहिए।

'मंदिर पब्लिक अथॉरिटी नहीं', यह कहकर पल्ला...

आयोग ने विभाग को आदेश दिया है कि वह बजट, ऑडिट खातों और शिकायतों से जुड़े सवालों की समीक्षा करे और बिंदुवार संशोधित जवाब दाखिल करे। साथ ही, आवेदक को जरूरी दस्तावेजों का निरीक्षण करने की सुविधा भी दी जाए। सीआईसी का यह फैसला प्रशासनिक पारदर्शिता को मजबूत करने और आस्था के केंद्रों के प्रबंधन में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

'नकटी में विधायक कॉलोनी नहीं बनेगी'...

अनुराग सिंह ने कहा कि पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में भी छेड़ीखेड़ी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। उस समय करीब 150 कब्जाधारियों को हटाया गया और बाद में 61 विधायकों को जमीन आवंटित की गई थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि उस दौरान हुए आंदोलन में एक किसान की मौत हुई थी। नकटी गांव को लेकर लगातार भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। एक ओर विपक्ष प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठा रहा है, वहीं सरकार और हाउसिंग बोर्ड का कहना है कि कार्रवाई पूरी तरह कानून के अनुसार की गई है। विधायक कॉलोनी को लेकर फैली चर्चाओं के बीच हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष के इस बयान से मामले ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है।

राजनांदगांव के राजाओं की दानवीरता की गूंज आज भी राजधानी तक- डॉ. रमेंद्र मिश्र

राजनांदगांव (दावा)। नगर पालिक निगम के राजा बलराम दास सभागार में साहित्य मनीषी इंदु भूषण ठाकुर के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एक भव्य और गरिमामय साहित्यिक समारोह का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ साहित्य समिति के तत्वावधान में आयोजित इस शताब्दी समारोह में प्रदेशभर के मूर्धन्य साहित्यकार, इतिहासकार और संस्कृति कर्मी शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष, बख्शी सृजन पीठ के अध्यक्ष व वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्र ने राजनांदगांव के बैरागी राजाओं की दानवीरता का ऐतिहासिक बखान किया। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव के राजाओं ने न केवल इस संस्कारधानी को सजाया-संवारा, बल्कि राजधानी रायपुर को भी समृद्ध किया। रायपुर के लोगों को पीने के पानी के लिए शेर छाप नल और प्रकाश के लिए बिजली इन्हीं राजाओं की देन है। इसके अलावा रायपुर का महंत घासीदास संग्रहालय, सर्वेश्वरदास ऑडिटोरियम और शहीद स्मारक में स्थित महंत राजा बलराम दास ग्रंथालय इन राजाओं की अमर कीर्ति के प्रतीक हैं। डॉ. मिश्र ने इंदु भूषण ठाकुर जैसे विश्वस्तरीय साहित्यकारों की धरोहरों को सहेजने को आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बताया।

साहित्य की उर्वरा भूमि है संस्कारधानी : प्रभात मिश्रा

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा ने इंदुभूषण ठाकुर को नमन करते हुए कहा कि राजनांदगांव की धरा साहित्य की त्रिवेणी (पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, गजानन माधव मुक्तिबोध, बल्देव प्रसाद मिश्र) के साथ-साथ नंदूलाल चोटिया और कुंजबिहारी चौबे जैसी विभूतियों की कर्मभूमि रही है। इस कला-साहित्य की उर्वरा जमीन पर द्विवेदी युगीन सरस्वती पत्रिका के संपादन में बख्शी जी का साथ देने वाले इंदु जी जैसे मनीषी हुए। जो सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों के जीवंत दस्तावेज हैं। विशेष अतिथि महेंद्र ठाकुर ने इस अवसर पर इंदु जी की कविताओं के काव्य-संग्रह प्रकाशन की आवश्यकता पर बल दिया।

राजाओं ने बनाया रानीसागर तो आदिवासियों ने खोदा बूढ़ा सागर : महापौर

महापौर मधुसूदन यादव ने नगर के साहित्यकारों को सम्मान देने वाले इस आयोजन की सराहना की। उन्होंने इतिहास के पन्नों को साझा करते हुए बताया कि राजनांदगांव के दानवीर राजाओं ने जहां जनता के लिए रानी सागर जैसे विशाल तालाब का निर्माण कराया, वहीं गोंड राजाओं के आग्रह पर उनके आराध्य बूढ़ादेव के नाम पर बूढ़ासागर तालाब अस्तित्व में आया। उन्होंने एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य साझा करते हुए बताया कि इस तालाब की खुदाई करने वाले आदिवासियों में प्रमुख व्यक्ति रेवा के नाम पर ही आज नगर का आदिवासी बाहुल्य वार्ड रेवाडीह बसा हुआ है।

छियालीसगढ़ी मुहावरों के धनी और गुरुतुल्य व्यक्तित्व

कथाकार सुभदा मिश्र व श्रीमती शारदा तिवारी ने इंदु जी को एक सम्माननीय प्राध्यापक और गुणी साहित्य साधक बताया। शारदा तिवारी ने याद किया कि इंदु जी, उनके पिता रज्जूलाल पांडे और विद्याचरण शुक्ल के साथ जनमोर्चा में सक्रिय रहे। उनके पास छत्तीसगढ़ी कहावतों और मुहावरों का अथाह भंडार था। शैलेंद्र कोठारी (मुन्ना भैया) ने एक रोचक संस्मरण साझा करते हुए बताया कि इंदु जी ने ही उनके पिता के साहित्यिक झुकाव को देखते हुए उनका नाम पुखराज से बदलकर शरद कोठारी रखा था। साधना तिवारी व आत्माराम कोशा 'अमात्य' ने उन्हें महिलाओं को बहुरिया कहकर सम्मान देने वाला सज्जन पुरुष और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

कविताओं में नारी के प्रति उदात्त प्रेम का पवित्र उद्गार

समारोह के वैचारिक सत्र में कवि व कथाकार मानसिंह मौलिक ने इंदु जी की कविताओं का वाचन करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में नारी के प्रति आसक्ति नहीं, बल्कि पवित्र और उदात्त प्रेम का भाव झलकता है। लोक कलाकार पप्पू 'पौर्वात्य' कलिहारी ने उनकी कविताओं को जीवन में विश्वास जगाने वाली रचनाएं बताया। समिति के समन्वयक व इंदु जी के सुपुत्र राकेश इंदु भूषण ठाकुर ने अपने पिता के साहित्यिक अवदान को न केवल मैथिली ठाकुर परिवार की, बल्कि पूरे साहित्य जगत की अमूल्य निधि बताया। समारोह का अत्यंत कुशल संचालन थंगेश्वर साहू 'मीत' व सुषमा शुक्ला 'अंशुमन' ने किया।

जिन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि शशिकांत द्विवेदी, राजभाषा आयोग के केसीजी समन्वयक सियाराम साहू, बालोद के डॉ. अशोक आकाश, नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, राजेश गुप्ता अग्रहरि, शिव वर्मा, गिरीश ठक्कर, शत्रुघ्न सिंह राजपूत, चंद्रशेखर शर्मा, वीरेंद्र कुमार रंगारी, डॉ. पद्मा साहू 'पर्वणी, रेशमी साहू, हर्षा देवांगन, करिश्मा श्रीवास्तव और अमलेंदु हाजरा सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे। अंत में संरक्षक अशोक चौधरी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जन्म शताब्दी समारोह राजनांदगांव की साहित्यिक यात्रा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। मीडिया प्रभारी पप्पू पौर्वात्य कलिहारी ने उक्त जानकारी दी।

पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों को हो रही है आवागमन में परेशानी

जल निकासी व्यवस्था सुधारना जनप्रतिनिधि व प्रशासन की जिम्मेदारी

डोंगरगढ़ (दावा)। डोंगरगढ़ विधानसभा के मोहारा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के राजनीतिक केंद्र के रूप में स्थापित ग्राम चैतू खपरी में मूलभूत सुविधा का अभाव वर्षों से बना हुआ है। इसके समाधान की दिशा में वर्तमान व पूर्व वरिष्ठ जनप्रतिनिधि की लापरवाही के चलते ग्रामीण मूलभूत सुविधा से आज भी वंचित है। गांव की मुख्य गलीयो में नाली एवं जल निकासी व्यवस्था के सड़क निर्माण होने से हालात पहले जैसे ही बने हुए हैं। पहली ही बारिश में सड़कें तालाब का रूप ले लेती हैं। बारिश का पानी लंबे समय तक जमा रहने से राहगीरों, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी होती है। कई स्थानों पर लोगों को घर से निकलने वाले गंदगी युक्त पानी निकासी की समस्या वर्षों से बनी हुई है। उसका उचित समाधान नहीं निकाल पाने के कारण ग्रामीणों के साथ-साथ स्कूली छात्र-छात्राओं को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे दुर्घटना और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव के कारण घरों तक पहुंचना भी मुश्किल हो जाता है।

ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव की मुख्य गलियों और सड़कों पर बारिश का पानी घुटनों तक भर जाने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि गांव में कंक्रीट सड़क का निर्माण होने के बावजूद जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से हर वर्ष यही स्थिति निर्मित हो रही है। कंक्रीट सड़क बनने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि समस्या का स्थायी समाधान होगा, लेकिन बिना समुचित

ग्रामीणों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या की जानकारी कई बार पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों को दी गई, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। प्रत्येक वर्ष बरसात के दौरान यही स्थिति बनती है, फिर भी न तो जल निकासी की प्रभावी योजना बनाई गई और न ही आवश्यक निर्माण कार्य कराए गए। इससे ग्रामीणों में जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

धूमधाम से मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव, कल्लूबंजारी में नव प्रवेशी बच्चों का स्वागत और होनहारों का सम्मान

कल्लूबंजारी (दावा)। शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला कल्लूबंजारी में बीते दिनों शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर जहां एक ओर स्कूल की दहलीज पर कदम रखने वाले नव प्रवेशी नन्हे बच्चों का आत्मीय स्वागत किया गया। वहीं दूसरी ओर पिछली कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया गया।

कठिन अभ्यास और नियमितता ही सफलता की कुंजी : अतिथि

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पटेल राजकुमार पटेल थे। जबकि अध्यक्षता शाला प्रबंधन एवं विकास समिति की अध्यक्ष रामेश्वरी मंडावी ने की। विशेष अतिथि के रूप में स्थानीय जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक टोमन ठाकुर, बाबूलाल पटेल एवं पंच लक्ष्मीबाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शाला प्रवेशोत्सव का मुख्य उद्देश्य नए बच्चों को विद्यालय के खुशनुमा शैक्षणिक माहौल से परिचित कराना और शासन की

जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि जो छात्र तन्मयता के साथ कठिन अभ्यास और कड़ी मेहनत करते हैं। वे ही कक्षा में अव्वल आते हैं। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती का संदेश देते हुए अतिथियों ने सभी बच्चों को नियमित स्कूल आने के लिए प्रोत्साहित किया।

आकर्षक कैप और मेडल पाकर खिले होनहारों के चेहरे

समारोह में शैक्षणिक सत्र के दौरान कक्षा पांचवीं और आठवीं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले तथा शाला में सर्वाधिक उपस्थिति दर्ज कराने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। स्कूल की नवाचारी विज्ञान शिक्षिका सुषमा नेताम के मार्गदर्शन में छात्राओं द्वारा तैयार किए गए विशेष आकर्षक कैप, मेडल और बैच पहनाकर विद्यार्थियों को लेखनी व मिठाई भेंट की गई। इस दौरान पुरस्कृत प्रतिभावान छात्र-छात्राओं में कक्षा 5वीं से डिकाश कुमार कोमरे (प्रथम व सर्वाधिक उपस्थिति), कु. संजना चंद्रवंशी (द्वितीय) एवं रजनीश कुमार पटेल (तृतीय), कक्षा 8वीं से कु. उरांसी चन्द्रवंशी (प्रथम व सर्वाधिक उपस्थिति) व ललेश्वर कुमार ताम्रकार (प्रथम), गुंजन कुमार खिलोरिया (द्वितीय) एवं लीलाधर यादव (तृतीय) व विशेष पुरस्कार कक्षा आठवीं के अमन कुमार ठाकुर को भी सर्वाधिक उपस्थिति के लिए सम्मानित किया गया।

निशुल्क पाठ्य पुस्तकों का हुआ वितरण

कक्षा पहली और छठवीं में नया प्रवेश लेने वाले बच्चों का तिलक-अक्षत लगाकर और मिठाई खिलाकर शाला परिवार में स्वागत किया गया। इसके साथ ही शासन की योजना के तहत बच्चों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकें प्रदान की गई। जिससे उनके चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षिका गीता कन्नौजे के स्वागत भाषण से हुई। मंच का कुशल संचालन शिक्षक दिनेश कुमार कुरेटी ने किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन शिक्षक चुम्मन लाल भुआर्य द्वारा किया गया। इस गरिमामय आयोजन में प्रधानपाठक द्वय उमेन्द सिंह मंडावी व जाकेश कुमार साहू, पंचायत सचिव कांशीराम साहू सहित रामाधीन कोमरे, कृष्णाराम चन्द्रवंशी, जगन्नाथ नेताम, चन्द्रकुमार उइके एवं समस्त छात्र-छात्राएं व अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कार्यकर्ता ही पार्टी की वह मजबूत कड़ी, जो बूथ स्तर पर काम कर बनाते हैं सरकार : भाजपा

डोंगरगढ़ में पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पखवाड़ा के तहत एक दिवसीय भाजपा प्रशिक्षण शिविर संपन्न

डोंगरगढ़ (दावा)। भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल की मासिक बैठक एवं पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी जन्मशताब्दी/जन्मदिन पखवाड़ा के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। मां बमलेश्वरी नीचे मंदिर परिसर के समीप स्थित श्याम रिसोर्ट में आयोजित इस शिविर में विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। शिविर में वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करते हुए आगामी सांगठनिक लक्ष्यों के लिए जुटने का आह्वान किया।

कार्यकर्ताओं की मेहनत से आज 22 राज्यों में भाजपा सरकार

प्रशिक्षण शिविर को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी भारती, डोंगरगढ़ सह प्रभारी किशन यदु और पूर्व विधायक विनोद खांडेकर ने संयुक्त रूप से कहा, ÷आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। देश के लगभग 22 राज्यों में भाजपा की सरकार पूर्ण सेवा भाव से जनहित के कार्य कर रही है। इस ऐतिहासिक सफलता का पूरा श्रेय केवल और केवल हमारे जमीनी कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत को जाता है। वक्ताओं ने पुरजोर शब्दों में कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की वह सबसे मजबूत कड़ी हैं, जो पूरी निष्ठा के साथ बूथ स्तर पर काम करके सरकार बनाने में अपना अहम योगदान देते हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पार्टी के गौरवशाली इतिहास और नीतियों का गहन अध्ययन करने को कहा, ताकि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

संस्थापक डॉ. मुखर्जी के बलिदान को किया याद

शिविर में पार्टी के संस्थापक पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उनके जीवन वृत्त और राष्ट्र के लिए किए गए बलिदान पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। नेताओं ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा दी थी। आज उन्हीं के विचारों का प्रतिफल है कि पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी भाजपा का परचम मजबूती से लहरा रहा है। वक्ताओं ने आह्वान किया कि सभी कार्यकर्ता आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहें, ताकि भविष्य में और बड़े राजनीतिक लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त किया जा सके। इसके पूर्व, स्वागत भाषण देते हुए शहर भाजपा मंडल अध्यक्ष ने नगर के सर्वांगीण विकास और संगठन की मजबूती के लिए सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने की अपील की।

सभी मोर्चा-प्रकोष्ठों के कार्यकर्ताओं की रही भारी मौजूदगी

शिविर में प्रमुख रूप से सांसद प्रतिनिधि तरुण हत्थेल, शहर मंडल अध्यक्ष जसमीत सिंह बन्नोवाना, महामंत्री विनीत यादव, विनय बंसल, महिला मोर्चा अध्यक्ष लक्ष्मी यादव, महामंत्री वत्सला श्रीवास्तव, नमिता चौबे, सविता दरगढ़, अनीता इंदुरकर, युवा मोर्चा अध्यक्ष आकाश सिंह राजपूत, महामंत्री शुभम अग्रवाल, हिमांशु सेन, अखिलेश गड़ेवाल शामिल हुए। इस वैचारिक शिविर में जिला भाजपा उपाध्यक्ष तरुण लहरवानी, वरिष्ठ नेता सुरेंद्र सिंह बन्नोवाना, हरविंदर सिंह मंगे, सुनील जैन (चीकू), लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, कुलवंत कक्कड़, मधुसूदन अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, तुलसी मिश्रा, संयोजक विजेंद्र सिंह ठाकुर, प्रदेश किसान मोर्चा उपाध्यक्ष वीरेंद्र सोनी, प्रदेश सदस्य सुषमा कोठारी, जिला सह कोषाध्यक्ष एस पी मिश्रा और जिला मंत्री अलका जयस सहारे सहित कई वरिष्ठ नेता मंचासीन थे। इनके साथ ही पार्षद देवेंद्र साखरे, रेखा राधोर्ते, शारदा यादव, डी केश राव, अनीश निर्मलकर, अलंकृत शर्मा, रूपेंद्र इंदुरकर, जयंत साहू सहित भाजपा के सभी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा में शामिल हुए खैरागढ़ के साहित्यकार और जनप्रतिनिधि

खैरागढ़ (दावा)। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व और मंदिर के जीर्णोद्धार के 1000 वर्ष पूर्ण होने पर सोमनाथ के कायाकल्प और गौरव को नया आयाम मिला है। सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा को राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है।

इस ऐतिहासिक विरासत को एक नई पहचान मिली है। जिसके तहत देश के अलग-अलग राज्यों से दर्शनार्थी भारत सरकार के केन्द्रीय पर्यटन, सांस्कृतिक एवं धर्मस्व विभाग द्वारा दर्शन करने पहुंच रहे हैं। इसी तारतम्य में 22 से 26 जून तक छत्तीसगढ़ के जिला खैरागढ़-छुईखदान, गंडई के साहित्यकारों और जनप्रतिनिधियों ने भी इस तीर्थ का लाभ उठाया।

सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा में साहित्यकार और कलाकारों ने द्वादश ज्योतिर्लिंग में से प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ की इस यात्रा हेतु नर्मदा, डोंगेश्वर महादेव, आमनेर और मुस्का नदी के पवित्र जल के साथ ही रुक्खड़ स्वामी, शिव मंदिर, घटियारी और देउर मंदिर गंडई की मिट्टी अर्पित करके जिले का मान बढ़ाते हुए अपनी उपस्थिति दी। इस यात्रा को छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री और संस्कृति मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुआ कामती साहू का घर, बिजली बिल हुआ शून्य

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ के वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीणों के जीवन में बड़ा और सकारात्मक बदलाव ला रही है। छुरिया विकासखंड के वनांचल ग्राम मोरकुटुम्ब की निवासी और मितानीन प्रशिक्षक श्रीमती कामती बाई साहू के घर में अब सूरज की रोशनी केवल उजाला ही नहीं कर रही, बल्कि आर्थिक समृद्धि का भी बड़ा जरिया बन गई है। इस योजना के तहत उनके घर की छत पर स्थापित 3 किलोवॉट क्षमता के सोलर रूफटॉप प्लांट ने उनके परिवार की मासिक बिजली लागत को लगभग समाप्त कर दिया है। श्रीमती कामती साहू ने बताया कि वे स्वयं मितानीन प्रशिक्षक के रूप में कार्य करती हैं और उनके पति गांव में ही एक किराना दुकान संचालित करते हैं। पहले उनके घर का बिजली बिल हर महीने एक हजार रूपए से अधिक आता था। जिससे घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ता था। योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने आवेदन किया और अपने घर की छत पर 3 किलोवॉट का सोलर पैनल लगवाया। सोलर पैनल चालू होने के बाद इस महीने उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य आया है। जिससे परिवार को सीधे तौर पर आर्थिक राहत मिली है।

कामती साहू ने बताया कि सोलर प्लांट की कुल लागत में से उन्हें केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रूपए और राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की शासकीय सहायता मिलने से उन पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ा और बिना किसी कठिनाई के सोलर प्लांट स्थापित हो गया। अब उनका परिवार न सिर्फ अपनी जरूरत की बिजली खुद तैयार कर रहा है, बल्कि अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजकर उसका भी लाभ उठा रहा है।

कामती साहू के अनुसार यह योजना केवल आर्थिक बचत का माध्यम नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपरिक बिजली स्त्रोतों पर निर्भरता कम होती है। जिससे प्रदूषण में कमी आती है। उन्होंने वनांचल क्षेत्र के अन्य ग्रामीणों से भी इस स्वच्छ और हरित ऊर्जा योजना का लाभ उठाने की अपील की है। श्रीमती कामती साहू ने इस जनहितैषी योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा विकसित भारत रोजगार गारंटी मिशन - विक्रांत सिंह

खैरागढ़ (दावा)। जिले में विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) का जिला स्तरीय जनसम्मेलन सह शुभारंभ कार्यक्रम छुईखदान ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत श्यामपुर के पान अनुसंधान केंद्र रामपुर-नवागांव में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत जिला पंचायत सीईओ प्रेमकुमार पटेल के स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को योजना के उद्देश्य एवं इसके संभावित लाभों की जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि जिले में इस योजना का शुभारंभ एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि विकसित भारत गारंटी मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं का अभिषरण कर विकास को गति दी जाएगी। जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार होगा।।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में यह योजना प्रदेश में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगी। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में यह मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने आगे बताया कि योजना के अंतर्गत रोजगार मूलक कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। जिसमें श्रमिकों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी प्रदान की जाएगी। साथ ही मजदूरी दर को 265 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये कर दिया गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भुगतान में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी और सभी कार्य पारदर्शिता के साथ संपन्न किए जाएंगे। योजना के तहत 5 किलोमीटर के दायरे में कार्य कराए जा सकेंगे। जिसमें जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को भी शामिल किया गया है। विक्रांत सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि योजना का क्रियान्वयन धरातल पर प्रभावी रूप से दिखाई देना चाहिए और जिले में बेहतर कार्य सुनिश्चित किए जाए।

मानसून की धमाकेदार सक्रियता से शहर हुआ जलमग्न, आफत की बारिश

जिला अस्पताल परिसर में भरा पानी, ममता नगर अंडरब्रिज लबालब होने से गाड़ियां हुई खराब, कैलाश नगर बस्ती पूरी तरह डूबी, कई घरों में घुसा गंदा पानी, रात भर जागते रहे लोग

राजनांदगांव (दावा)। जिले में पिछले तीन दिनों से मानसून की आमद के बाद शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश ने पूरे शहर को जलमग्न कर दिया। गरज-चमक के साथ हुई इस धमाकेदार बारिश से शहर का कोई भी हिस्सा अछूता नहीं रहा। विशेषकर निचली बस्तियों के लिए यह बारिश आफत बनकर बरसी। शहर के अभिजात्य वर्ग का पुराना रिहायशी इलाका कैलाश नगर इस बार पूरी तरह डूबान में आ गया। यहां लोगों के घरों के भीतर तक बारिश का पानी घुस गया। जिससे नागरिकों को बेहद मुश्किल से जागकर रात काटनी पड़ी। हालांकि, इस तीन दिवसीय लगातार बारिश से भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को तापमान में गिरावट आने से राहत भी मिली है। वर्तमान में शहर का तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया है।

करोड़ों खर्च कर ऊंचा उठाया जिला अस्पताल परिसर हुआ लबालब

शनिवार दोपहर करीब 2 बजे गर्जन-तर्जन के साथ शुरू हुई मूसलाधार बारिश से करोड़ों रुपये खर्च कर ऊंचा उठाया गया जिला चिकित्सालय परिसर पूरी तरह पानी में डूब गया। अस्पताल परिसर और समीप स्थित डॉक्टर कॉलोनी में घुटनों तक पानी भर गया। अस्पताल के सामने स्थित बड़े नाले का गंदा और बदबूदार पानी परिसर में पसर जाने से मरीज और उनके परिजन बेहद परेशान रहे। इसके अलावा तहसील कार्यालय, पुराना एसपी कार्यालय, इंदिरा नगर सहित कई निचली बस्तियों में भारी जल-जमाव से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

निगम के ठीक सामने खूनी गड्ढे, हादसे का शिकार हो रहे लोग

शहर के अंदर की सड़कें इस समय बेहद खतरनाक हो चुकी हैं। पोस्ट ऑफिस चौक और महावीर चौक स्थित अग्रवाल होटल (केंटिन) के समीप बने बड़े गड्ढे में पानी भर जाने से राहगीर उसमें गिरकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि अग्रवाल केंटिन के पास का यह जानलेवा गड्ढा नगर निगम दफ्तर के ठीक सामने है, इसके बावजूद निगम प्रशासन ने इसे भरने की जहमत नहीं उठाई।

अंडरब्रिज में भरा पानी, गाड़ियां हुई बंद

शनिवार को रात भर हुई बारिश के कारण ममता नगर रोड स्थित रेलवे अंडरब्रिज में घुटनों से ऊपर तक पानी भर गया। जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। ब्रिज में पानी भरा होने के कारण कई चौपहिया और दुपहिया वाहन बीच में ही फंस गए। इंजनों में पानी घुसने से बंद हुई गाड़ियों को वाहन चालकों ने कड़ी मशक्कत के बाद पेल-धकेल कर बाहर निकाला। सड़कों पर पानी भरा होने के कारण वाहन चालकों को गड्ढों का अंदाजा नहीं हो रहा है, जिससे लगातार हादसे हो रहे हैं।

3 महीने सोता रहा निगम, अब बारिश में भेजे जा रहे प्रस्ताव

इस नारकीय स्थिति के लिए सीधे तौर पर नगर पालिक निगम की कार्यप्रणाली जिम्मेदार है। निगम प्रशासन भीषण गर्मी के तीन महीनों तक चैन की नींद सोता रहा। अब जब मानसून सिर पर आ गया और शहर डूबने लगा है। तब सड़कों की मरम्मत, नाले-नालियों की सफाई और रोड कांक्रीटीकरण के प्रस्ताव शासन को मंजूरी के लिए भेजे जा रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि शासन की स्वीकृति बारिश का मौसम बीत जाने के बाद आएगी। तब तक शहरवासी इन डबरों और गड्ढों में चलने तथा घरों में नालियों का गंदा पानी भुगतने को मजबूर हैं।

जिले में वर्षा का आंकड़ा 1000 मिमी के करीब पहुंचा

राजस्व कार्यालय से मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार जिले में अब तक 700 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज हो चुकी थी। जो शनिवार की मूसलाधार बारिश के बाद अब 1000 मिमी के करीब पहुंचने का अनुमान है। भारी जल-जमाव के बाद अब जाकर निगम के सफाई कर्मचारी पानी निकासी के काम में जुटे हैं। भारी बारिश और नदी-नालों के उफान को देखते हुए जिला प्रशासन ने तटीय क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों और किसानों को नदी-नालों के किनारे न जाने की सख्त हिदायत दी है। किसी भी अप्रिय स्थिति या बाढ़ के हालातों से निपटने के लिए एनडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोरों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं।

पिछले दो-तीन दिनों से हो रही रुक-रुक कर बारिश और शनिवार रात की भारी बारिश के कारण शहर के कुछ निचले क्षेत्रों में जल भराव की शिकायतें मिली हैं। प्रभावित जगहों पर हैवी पंप और टीम भेजकर पानी निकालने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा रही है।

- यू.के. रामटेके, कार्यपालन अभियंता (नगर निगम)

रात से लगातार बारिश, निगम का अमला सुबह से सक्रिय, महापौर मधुसूदन यादव ने लिया जलभराव क्षेत्रों का जायजा

राजनांदगांव (दावा)। कल रात से लगातार बारिश होने पर आज सुबह महापौर मधुसूदन यादव, आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सदस्य शैंकी बग्गा पानी भरान क्षेत्र चिखली, इंदिरा नगर, नंदई, बसंतपुर अस्पताल, मोहारा, लखोली सहित शहर में भ्रमण किये एवं शहर के आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्र के नाली नालों की सफाई का निरीक्षण कर जेसीबी से नालो में फसे कचरे निकलवा एवं पानी भरान क्षेत्र से कच्ची नाली खोद कर पानी निकासी करवाए। इसी प्रकार वार्डो में पार्षद तथा कार्यपालन अभियंता सहित तकनीकि अधिकारी एवं स्वास्थ्य अमला सुबह से अपने अपने क्षेत्र में पानी निकासी के लिए लगे रहे। कलेक्टर जितेन्द्र यादव भी लगातार मानिटरिंग करते रहे। महापौर श्री यादव एवं आयुक्त श्री विकश्वकर्मा आज अत्याधिक बारिश होने पर शहर के आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्रों में पानी भरान की स्थिति का जायजा लिया और पानी भरे क्षेत्रों से जेसीबी के माध्यम से तथा निगम अमला से पानी निकासी कराये। ममता नगर अंडर ब्रिज में पंप लगाकर पानी निकासी कराई गयी। उन्होंने जी.ई.रोड, बसंतपुर जिला अस्पताल, हाट बाजार, नंदई, इंदिरा नगर, राजीव नगर, आर.के.नगर, ममता नगर अण्डर ब्रिज, मोतीपुर, कौलाश नगर, लखोली, केशर नगर, चिखली के निचली एवं झुग्गी बस्ती के घरों के आस पास पानी भरने पर जेसीबी से कच्ची नाली खोदवाकर पानी निकासी कराये, वही नाली के उपर निर्माण व नाली में कचरा फसने पर जेसीबी के माध्यम से नाले में फसे कचरे को निकलवाकर सफाई कराए। उन्होंने कहा कि निचली बस्तीयों में अल्प वर्षा में पानी भरान की स्थिति निर्मित हो जाती है, अतः ऐसे क्षेत्रों में नियमित रूप से नाली नालो की सफाई कराए तथा शहर के बड़े नाला व नालियो की अच्छे तरीके से सफाई करे, जिससे पानी भरान की स्थिति निर्मित न हो। महापौर श्री यादव ने बताया कि जिस प्रकार जिला चिकित्सालय को उपर उठाने से अंदर पानी भरने से छुटकारा मिला। इसी प्रकार शहर में चल रहे नाला निर्माण से आगामी वर्षो में इतनी परेशानी नही होगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में शासन स्वीकृति अनुसार नार कन्हैया नाला जो इंदिरा नगर, नंदई आदि क्षेत्रों से जाती है उसके कच्चा भाग तथा सकरा भाग को तोडकर नाला निर्माण किया जा रहा है, वर्तमान में लोहा बाडा क्षेत्र में निर्माण कार्य चल रहा है, निर्माण चलने से थोडी परेशानी हो रही है।

इसी प्रकार गोकुल नगर की ओर जाने वाली नाले को भी बनाने प्रक्रिया चल रही है। इन सब नालो के बन जाने से आगामी वर्षो में पानी भरान की स्थिति से निजात मिलेगा। आयुक्त ने तकनीकि अधिकारियो व स्वास्थ्य अमला से कहा कि निचली बस्ती, जल भरान क्षेत्र, एवं गढ्डों में पानी भरान वाले जगह से कच्ची नाली खोदकर पानी निकासी कराया जाये। सभी वार्डो में नियमित रूप से साफ सफाई कर कचरा उठाया जाये। सफाई दरोगा एवं वार्ड प्रभारी अपने अपने प्रभारित वार्ड में पानी भरान क्षेत्र को चिन्हांकित कर उच्च अधिकारी को अवगत कराये। जिससे आवश्यक कार्यवाही की जा सके। उन्होंने तकनीकि अधिकारियो से भी कहा कि अपने अपने प्रभारित वार्ड में नियमित रूप से मानिटरिंग कर पानी भरान से निपटने कार्य करे। साथ ही उन्होंने टाका घर कंट्रोल रूम में जिनकी ड्यूटी लगी है उन्हें भी तीनो पाली में उपस्थित रहने कहा।

दो दिन की बारिश में डूबी निगम की तैयारी, कई वार्ड जलमग्न : संतोष पिल्ले

राजनांदगांव (दावा)। लगातार दो दिनों से हो रही बारिश ने नगर निगम की मानसून पूर्व तैयारियों की वास्तविकता उजागर कर दी है। शहर के कई प्रमुख वार्डों में जलभराव की गंभीर स्थिति बन गई है जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है।

विपक्ष का आरोप है कि समय रहते चेतावनी दिए जाने के बावजूद नगर निगम प्रशासन ने नालों-नालियों की सफाई और सड़कों के गड्ढे भरने जैसे जरूरी कार्य नहीं किए जिसका खामियाजा अब आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के बाद शहर के विभिन्न इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सड़कों पर पानी भर जाने से लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है वहीं कई स्थानों पर बारिश का पानी घरों और गलियों तक पहुंच गया है। इस स्थिति को लेकर नगर निगम की मानसून पूर्व तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने दावा किया है कि मानसून शुरू होने से पहले ही उन्होंने नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकर शहर के नालों-नालियों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा सड़कों और वार्डों में मौजूद गड्ढों को भरने की मांग की थी। उनका कहना है कि समय रहते आवश्यक कार्य किए जाते तो आज शहरवासियों को जलभराव जैसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

श्री पिल्ले ने आरोप लगाया कि नगर निगम प्रशासन, निगम आयुक्त, महापौर और भाजपा के पार्षदों ने समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए। परिणामस्वरूप, मानसून की पहली ही तेज बारिश ने निगम के दावों की पोल खोलकर रख दी। उन्होंने कहा कि शहर के कई वार्डों में नालों-नालियों की सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़कों और रिहायशी क्षेत्रों में भर गया है। बताया जा रहा है कि करोड़ों खर्च करने के बावजूद केनाल नाला भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। स्थिति आज भी जस की तस है बसंतपुर जिला चिकित्सालय, इंदिरा नगर, लखोली, बसंतपुर, शांतिनगर, मोतीपुर सहित शहर के कई वार्डों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। जगह-जगह पानी जमा होने से लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। कई क्षेत्रों में बारिश का पानी घरों के आसपास और गलियों में भरने से स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री पिल्ले ने नगर निगम प्रशासन से तत्काल जल निकासी की व्यवस्था करने प्रभावित क्षेत्रों में पंप लगाकर पानी निकालने, नालों-नालियों की विशेष सफाई कराने तथा भविष्य में मानसून पूर्व तैयारियों को गंभीरता से लेने की मांग की है।

मानसून की पहली बारिश ने खोली नगर निगम की पोल: तालाब बना जिला अस्पताल परिसर, घुटनों तक भरा पानी

राजनांदगांव (दावा)। मानसून की पहली ही बारिश ने नगर निगम के उन दावों की हवा निकाल दी है, जिसमें लगातार साफ-सफाई और नालों की सफाई का ढिंढोरा पीटा जा रहा था। महज 12 घंटों की झमाझम बारिश के चलते शहर के नाले ओवरफ्लो हो गए और पानी सड़कों पर बहने लगा। स्थिति इतनी बदतर रही कि निचली बस्तियों के कई घरों में नाली और बारिश का गंदा पानी घुस गया, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया।

लाखों खर्च करने के बाद भी एक्स-रे और सिटी स्कैन रूम डूबे

हर साल बारिश के मौसम में जलमग्न होने वाला शासकीय जिला अस्पताल इस बार भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह सका। हालांकि हाल ही में शासन द्वारा लाखों रुपये खर्च कर अस्पताल के कुछ हिस्सों (वार्डों और मेजर-माइनर ओटी) का फ्लोर लेवल ऊपर उठाया गया था। जिससे वे हिस्से तो बच गए। लेकिन लापरवाही का आलम यह रहा कि एक्सरे और सिटी स्कैन वाले रूम के लेवल को ऊंचा नहीं किया गया, जिसके कारण इस बार इन दोनों कमरों में पानी भर गया।

अस्पताल परिसर बना टापू, कॉलोनी में घुटनों तक भरा पानी

अस्पताल के बाहरी नालों की नियमित और मुकम्मल सफाई नहीं होने का खामियाजा मरीजों और उनके परिजनों को भुगतना पड़ रहा है। पूरा जिला अस्पताल परिसर इस वक्त एक टापू में तब्दील हो चुका है। अस्पताल के बाहर और परिसर के भीतर स्थित हॉस्पिटल कॉलोनी में घुटनों तक पानी जमा हो गया है। डॉक्टरों और स्टाफ के घरों के सामने जलजमाव होने से ड्यूटी पर आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बरगा व आलीवारा में नव-निर्मित रेलवे ओवरब्रिज में आई भयानक दरारें, घटिया निर्माण की खुली पोल

0 पहली ही आफत की बारिश में 'टें' बोले बरगा और आलीवारा रेलवे ओवरब्रिज

0 बीचो-बीच आई खतरनाक दरारें, धंसने लगी एप्रोच रोड, राहगीरों की जान खतरे में

राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव जिले के ग्राम बरगा और डोंगरगांव विधानसभा के अंतर्गत आने वाले ग्राम आलीवारा में नवनिर्मित रेलवे ओवर ब्रिज अपनी निर्माण अवधि पूरी होते ही जगह-जगह 8 से 10 इंच की दरार हो गई हैं। पहली ही तेज बारिश ने इन ब्रिजों की हकीकत बयां कर दी है। आलम यह है कि एक रेलवे ओवरब्रिज के बीचो-बीच खतरनाक ढंग से बड़ी दरार आ गई है, वहीं दूसरा ब्रिज अभी से नीचे धंसने लगा है। दोनों रेल्वे ब्रिज बने अभी एक माह भी नहीं हुआ। इन महत्वपूर्ण रेलवे ब्रिजों के निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा बरती गई घोर लापरवाही और गुणवत्ताविहीन कार्य अब सरेआम चुगली कर रहा है। मानक मापदंडों को ताक पर रखकर, सिर्फ मोटी कमाई के चक्कर में किए गए इस घटिया दर्जे के कार्य के खिलाफ अब स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों का गुस्सा फूट पड़ा है।

बिना मजबूत बेस के पाट दी मुरूम, मंडरा रहा हादसे का खतरा

ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे जैसे अति-महत्वपूर्ण और संवेदनशील ओवर ब्रिज के कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। क्योंकि इसके ऊपर से रोजाना हजारों लोगों का आवागमन होता है। पर इसकी परवाह न करते हुए ठेकेदार ने निर्माण में बेहद घटिया स्तर की सामग्री का इस्तेमाल किया है। ब्रिज की संपर्क सड़क (एप्रोच रोड) के निर्माण में जहां गड्ढा किया गया था, उस कच्ची सड़क के बेस (आधार) को मजबूत किए बिना ही सीधे मुरूम पाट दी गई। नतीजा यह हुआ कि बारिश के पानी से मिट्टी बैठ रही है। इस कमजोर बेस पर भारी वाहनों के गुजरने से सड़क कभी भी पूरी तरह धंस सकती है। जिससे वाहन चालक किसी बड़ी दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं।

महीने भर भी नहीं टिक पाए करोड़ो के ब्रिज

बता दें कि नागपुर रेल मंडल (डीआरएम) के अंतर्गत राजनांदगांव से डोंगरगढ़ के बीच कुल 7 रेलवे ओवर ब्रिजों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें से 3 ब्रिजों का काम पूरा हो चुका है। वहीं, डोंगरगढ़ के समीप ग्राम अछोली और धुसेरा में जमीन अधिग्रहण का पेंच फंसे होने के कारण वहां अभी कार्य शुरू नहीं हो सका है। जिन 3 ब्रिजों का काम पूरा हुआ है, उनमें से ग्राम बरगा और आलीवारा नदी पर बने रेलवे ओवर ब्रिज को चालू हुए अभी एक महीना भी नहीं बीता है। एक तरफ जहां ब्रिज में डामर की सड़कों में डरावनी दरारें उभर आई हैं। वहीं दूसरी तरफ मिट्टी धंसने लगी है। इस मामले में न केवल ठेकेदार की मनमानी उजागर हो रही है। बल्कि निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग करने वाले जिम्मेदार इंजीनियरों और रेलवे के आला अधिकारियों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

डैमेज कंट्रोल में जुटा ठेकेदार, बरसात के बाद डामरीकरण का दावा

इस पूरे मामले को लेकर जब 'दैनिक दावा' की टीम ने रेलवे ब्रिज का निर्माण करने वाले ठेकेदार राजेंद्र सिंह घई से सीधे बात की, तो उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वर्तमान में ब्रिज में आ रही दिक्कतों को देखते हुए कांक्रीट भरकर रिपेयरिंग (मरम्मत) का कार्य किया जा रहा है। बरसात का मौसम थमने के तुरंत बाद सड़क पर डामरीकरण (कोलतार) का कार्य कर इसे पूरी तरह दुरुस्त कर दिया जाएगा। बहरहाल, ठेकेदार भले ही मरम्मत की बात कह रहा हो, लेकिन पहली ही बारिश में आई इन दरारों ने निर्माण की गुणवत्ता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है, जो हजारों रेल यात्रियों और आम जनता की सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ है। इस संबंध में नागपुर डीआरएम से दूरभाष पर संपर्क किया तो मोबाईल रिसीव नहीं किया।

उक्त घटिए दर्जे की सड़क व रेलवे ब्रिज निर्माण को लेकर उठ रही उंगलियां के संदर्भ में लोगों द्वारा अपेक्षा कीजा रहीं हैं कि क्या जिले के सांसद महोदय संतोष पाण्डे ने ठेकेदार की इस करनी को लेकर लोकसभा में सवाल उठाएंगे। ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करेंगे?

जिल्हाधिकारी तथा जिल्हा निवडणूक अधिकारी, वर्धा यांचे कार्यालय
जिल्हाधिकारी कार्यालय, पहिला माळा, सेवाग्राम रोड, सिव्हील लाईन, वर्धा – ४४२००१

क्र./म.सहा./निवडणूक/कावि-२७८/२०२६
दिनांक : ०६.०७.२०२६

वर्धा अर्बन ॲण्ड रुरल को-ऑपरेटिव्ह क्रेडीट सोसायटी मर्यादीत संस्थेच्या संचालक मंडळाच्या सदस्यांच्या (Board Members) निवडणूकीकरिता प्रारुप मतदार यादी प्रसिद्धी संदर्भात

– सुचना –

Govt. of India Ministry of Cooperation Office of Cooperative Election Authority, Delhi Ordered No. CEA-12011/453/2025 Dt. 29.05.2026 चे निवडणूक कार्यक्रमानुसार दिनांक ०६.०७.२०२६ रोजी वर्धा अर्बन ॲण्ड रुरल को-ऑपरेटिव्ह क्रेडीट सोसायटी लिमीटेड या संस्थेच्या निवडणूकी करीता प्रारुप मतदार यादी (Provisional List of Members/Delegates) सकाळी ११.०० वाजता विनिर्दीष्ट ठिकाणी प्रसिद्ध करण्यात येत आहे.

सदर मतदार यादीवर (Provisional List of Members/Delegates) कोणाचाही कोणत्याही प्रकारचा आक्षेप असेल तर त्यांनी दिनांक ०७.०७.२०२६ ते १३.०७.२०२६ या कालावधीत आपला आक्षेप प्रत्यक्षरित्या सकाळी ११.०० ते दुपारी ३.०० या कालावधीत सहा. निवडणूक निर्णय अधिकारी (Asst. Returning Officer) वर्धा अर्बन ॲण्ड रुरल को-ऑपरेटिव्ह क्रेडीट सोसायटी लिमीटेड यांचे समक्ष, निवडणूक शाखा, पहिला मजला जिल्हाधिकारी कार्यालय, सिवील लाईन्स, वर्धा-४४२००१ या ठिकाणी किंवा dydeo.wardha1@gmail.com या मेल आयडी वर सादर करावा. सदर प्रारुप मतदार यादी www.wardhaurban.in या संकेत स्थळावर, तसेच निवडणूक निर्णय अधिकारी, वर्धा अर्बन ॲण्ड रुरल को-ऑपरेटिव्ह क्रेडीट सोसायटी मर्यादीत यांचे कार्यालय व मुख्यशाखा, बोरगाव (मेघे) येथे प्रारुप मतदार यादीची प्रत पाहण्याकरिता उपलब्ध करुन दिलेली आहे.
(मतदार यादीमध्ये नियमानुसार दि. ३१.०३.२०२५ पर्यंत सदस्य असलेले मतदार समाविष्ट केलेले आहेत.)

(वान्मथी सी.)
निवडणूक निर्णय अधिकारी
वर्धा अर्बन ॲण्ड रुरल को-ऑप. क्रेडीट सोसायटी
लिमीटेड, वर्धा. रजि.नं. ३९४
तथा जिल्हाधिकारी, वर्धा

आवश्यकता है
कम्प्यूटर शॉप में कार्य हेतु लड़के / लड़कियों की. PGDCA/DCA को प्राथमिकता बायोडाटा सहित सम्पर्क करें। कार्यालय समय सुबह 9.30 से रात्रि 8 बजे तक।
मीडिया इन्फोटेक, पारख ज्वेलर्स के बाजू, कामठी लाइन, राजनांदगांव
मो.- 7000590289, 9826190298

आवश्यकता है
DPS BOYS हॉस्टल के लिए वार्ड बॉय की
दिल्ली पब्लिक स्कूल
बनभेड़ी, जी.ई. रोड, राजनांदगांव
मो.- 62610-72421

(हेमंत साहू) 98271-56852, 94241-15737
शिव बोरवेल्स एवं प्रापर्टी डिलिंग
• हर तरह की बोरिंग कार्य हेतु संपर्क करें
• सभी प्रकार के सबमर्सिबल पंप के विक्रेता
• पाईप फिटिंग एवं सेनेटरी की सुविधा
नंदई, कुआं चौक राजनांदगांव (छ.ग.)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com